RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:34 ता. 27 जूलाई 2023, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के बीच पीएम मोदी का प्रगति मैदान में हवन-पूजन

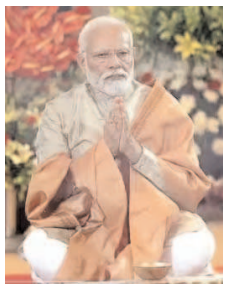

नई दिल्ली। कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दल मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह प्रगति मैदान में हवन-पूजा की है। पीएम मोदी के ही हाथों आज आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन होने वाला है। इसे जी20 की बैठकों के लिए लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। आज शाम एक भव्य कार्यक्रम के दौरान इसे देश को समर्पित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सुबह 10 बजे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हवन पूजन के साथ हुई। इसके बाद निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को सम्मानित किया जाएगा। आज ही शाम को पीएम मोदी 6:30 बजे एक भव्य उद्घाटन समारोह के लिए आईटीपीओ आएंगे। यहां वह जी20 टिकट और सिक्का जारी करेंगे। साथ ही शाम करी 7:05 बजे उनका भाषण होगा। आपको बता दें कि विपक्ष लगातार मणिपुर के मुद्दे पर संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग कर रहा है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार है। आपको बता दें कि संसद का मॉनसून सत्र में विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन के कारण कामकाज ठप पड़ा हुआ है। कल लोकसभा में भारी शोर-शराबे के बीच लोकसभा में दो विधेयक पास किए गए। राज्यसभा में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।

जब अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में अटलजी ने की थी कांग्रेसी प्रधानमंत्री की खूब तारीफ, देवगौड़ा पर तंज

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष दूसरी बार अविश्वास प्रस्ताव लाने जा रहा है। इससे पहले 2018 में भी विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था, जिसमें विपक्ष को मुंह की खानी पड़ी थी। मोदी से पहले एनडीए के पहले प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी को भी तीन बार लोकसभा में विश्वासमत परीक्षण से गुजरना पड़ा था।

पहली परीक्षा में फेल हो गए थे वाजपेयी

1996 के आम चुनावों में बीजेपी 161 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार अटल बिहारी वाजपेयी को तब के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने सरकार बनाने का निमंत्रण दिया था। साथ ही सदन में बहुमत साबित करने को भी कहा था। 16 मई 1996 को अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार देश की बागडोर संभाली थी लेकिन 13 दिन बाद जब लोकसभा में विश्वास मत परीक्षण हुआ तो वह बहुमत साबित करने में विफल रहे। इसके बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

सदन को पढ़ाया था राजनीति का धर्म और मर्म–28 मई, 1996 को अटल बिहारी

वाजपेयी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले लोकसभा में विश्वासमत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाषण दिया था। वह भाषण अभी भी लोगों के जेहन में है और काफी याद किया जाता है। तब वाजपेयी ने सभी राजनीतिक दलों के नुमाइंदों को भविष्य के लिए राजनीति का धर्म और मर्म का पाठ पढ़ाते हुए कहा था, सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी-बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए। इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।÷ उन्होंने कहा था, देश में ध्रुवीकरण नहीं होना चाहिए। न सांप्रदायिक आधार पर, न जातीय आधार पर और न ही राजनीति ऐसे दो खेमों में बंटनी चाहिए कि जिनमें संवाद न हो, जिनमें चर्चा न हो।

सदन में की थी कांग्रेसी प्रधानमंत्री की खुली तारीफ

तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कहा था, देश आज संकटों से घिरा है और जब-जब देश संकटों से घिरा है, हमने उस समय की सरकारों को मदद की है। वाजपेयी ने पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता पीवी नरसिम्हा राव की तारीफ करते हुए कहा था कि राव ने उन्हें नेता विपक्ष के तौर पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में जिनेवा में भारत का पक्ष रखने को भेजा था, इसे देखकर पाकिस्तान चाकित रह गया था। पाकिस्तान को इस बात पर हैरत थी कि विरोधी दल के नेता सरकार का पक्ष रखने कैसे आ गए, जबकि पाकिस्तान में विरोधी दल के नेता सरकार की आलोचना हरेक मोर्चे पर देश के अंदर और बाहर भी करते रहे हैं। भारत में इसकी जगह नहीं होनी चाहिए। ये कटुता बढ़नी नहीं चाहिए।

देवगौड़ा पर ली थी चुटकी

उसी सदन में अपने भाषण के दौरान वाजपेयी ने यूनाइटेड फ्रंट द्वारा एचडी देवगौड़ा को नेता चुनने पर चुटकी ली थी और कहा था कि मुझे नहीं पता कि यूनाइटेड फ्रंट ने फोर्थ च्वाइस को फर्स्ट च्वाइस कैसे बना दिया। वाजपेयी ने तंज कसा कि जो उनके चौथे च्वाइस थे, अब देश के पहले च्वाइस बनने जा रहे हैं। इस भाषण के बाद उन्होंने राष्ट्रपति को जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया था। दो दिन 1 जून को एचडी देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

वाजपेयी को दो और बार करना पड़ा अविश्वास प्रस्ताव का सामना

1996 के बाद वाजपेयी 1998 में दोबारा सत्ता में आए लेकिन सिर्फ 13 महीने बाद अप्रैल 1999 में उन्हें फिर से अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। भाजपा के गठबंधन सहयोगी - एआईएडीएमके - के समर्थन वापस लेने के बाद वाजपेयी सरकार एक वोट से गिर गई थी। भाजपा की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को 269 वोट मिले थे, जबकि विपक्ष को 270 वोट मिले थे।

कांग्रेस की सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार बनाने के लिए संख्याबल जुटाने में विफल रहा। इसके बाद लोकसभा फिर से भंग कर दी गई और नए चुनाव हुए। चुनाव होने तक वाजपेयी कार्यवाहक प्रधान मंत्री बने रहे। 1999 के आम चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने लोकसभा की 543 सीटों में से 303 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया।

13 अक्टूबर 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी ने तीसरी बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली थी। जब वाजपेयी ने दोबारा जॉर्ज फर्नांडिस को मंत्रिमंडल में शामिल किया तो कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। 19 अगस्त 2003 को एक बार फिर वाजपेयी को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, जिसमें वाजपेयी सरकार की जीत हुई थी।

जरूरत पड़ने पर नियंत्रण रेखा भी पार करेगी भारतीय सेना: राजनाथ

कारगिल 26 जुलाई (वेबवार्ता) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर पड़ोसी देश को सख्त संदेश देते हुए कहा कि यदि भारत की ओर नजर उठा कर देखा गया तो सेना नियंत्रण रेखा को पार कर दुश्मन को नेस्तनाबूद कर देगी। सिंह ने बुधवार को विजय दिवस के मौके पर यहां कारगिल के द्रास में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सेना 1999 में ही विजय के बाद नियंत्रण रेखा को पार कर सकती थी, लेकिन भारत की शांतिप्रिय देश की विचारधारा, भारतीय मूल्यों में विश्वास और अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति वचनबद्धता के कारण उस समय यह कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा, उस समय अगर हमने एलओसी पार नहीं किया, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम एलओसी पार नहीं कर सकते थे। हम एलओसी पार कर सकते थे, हम एलओसी पार कर सकते हैं, और जरूरत पड़ी तो भविष्य में एलओसी पार करेंगे। मैं इसे फिर से दोहराना चाहूँगा, कि हम एलओसी पार कर सकते थे, हम एलओसी पार कर सकते हैं, और जरूरत पड़ी तो भविष्य में एलओसी पार करेंगे, इसका मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूँ। रक्षा मंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राष्ट्र का मान-सम्मान और इसकी प्रतिष्ठा सरकार के लिए किसी भी चीज़ से ऊपर है, और इसके लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में कुछ देशों में युद्ध के अत्यधिक लंबा चलने का हवाला देते हुए उन्होंने देशवासियों से सेनाओं के सहयोग के लिए हर समय तत्पर रहने को कहा उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हर देशवासी को सैनिक की भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी युद्ध केवल सेनाओं के बीच ही नहीं होता उन देशों की जनता के बीच भी युद्ध होता है। उन्होंने कहा, युद्ध में सिर्फ सेना ही नहीं लड़ती बल्कि कोई भी युद्ध दो राष्ट्रों के बीच होता है, उनकी जनता के बीच होता है। आप देखिए, कि किसी भी युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से सेनाएँ तो भाग लेती ही हैं, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से आप देखें, तो उस युद्ध में किसान से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक व कई सारे पेशों के लोग शामिल होते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, नोएडा में स्कूल बंद करने का आदेश

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर के मौसम ने करवट लेते हुए उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। मंगलवार रात को गाजियाबाद में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। नोएडा के कुछ इलाकों में काले बादल छाए हुए हैं। वहीं दिल्ली के कई इलाकों में बुधवार तड़के अच्छी बारिश हुई। बारिश के मद्देनजर आज गौतम बुद्ध नगर जिले में सभी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। यह जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्षा एवं जलभराव को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार

वर्मा के निर्देश पर आज जनपद के कक्षा एक से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालय बंद रहेंगे।

अगले तीन दिन होगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक बादल मेहरबान रहेंगे। इस दौरान ठंडी हवाएं चलेंगी और बारिश होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 25 डिग्री के आसपास रहेंगे। विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में लगातार बादलों की आवाजाही रहेगी। बारिश की वजह से दिल्ली की हवा लगातार साफ चल रही है।

बारिश से राहत एवं बचाव पर पड़ेगा असर

गाजियाबाद में मंगलवार रात को बारिश हुई। बुधवार सुबह भी बारिश हो रही है। पिछले एक घंटे से लगातार बादल बरस रहे हैं। इसका असर हिंडन नदी के जलस्तर पर पड़ सकता है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य पर बारिश विपरीत असर डाल सकती है। बता दें कि हिंडन नदी में पिछले कई दिन से बाढ़ आई हुई है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। डूब क्षेत्र की कॉलोनियों के अलावा नदी से सटे गांवों में भी पानी भर गया है।

वो सीमा पर थे, इसलिए आज हम हैं : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि मातृभूमि के वीर सिपाही सीमा पर थे, इसलिए आज हम हैं।

श्री चौहान ने स्थानीय शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कहा कि वे मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व लुटाने वालों शहीदों को प्रदेश की संपूर्ण जनता की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि वे सैनिक थे, जिन्होंने एक-एक इंच जमीन

दुश्मनों से छुड़ाने के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे। तत्कालीन समय में सेनाओं से दिखा दिया कि भारत माता की ओर आंख उठा कर देखने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली और सशक्त भारत बना है।

उन्होंने कहा कि हर देशवासी को देश की सीमाओं की रक्षा कर रहीं तीनों सेनाओं पर गर्व है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल को आया ठगों का वॉट्सऐप कॉल, उठाया तो चलने लगा पोर्न; दो को दबोचा गया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल के साथ सेक्सटॉर्शन का मामला सामने आया है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रह्लाद पटेल के पास आरोपियों की ओर से एक वीडियो कॉल आया था। उन्होंने जब कॉल रिसीव की तो पोर्न वीडियो चलने लगा। इस कॉलिंग को रिकॉर्ड करके आरोपी क्लिप को वायरल कर उन्हें बदनाम करने की धमकी देने लगे। इसके बाद उनके निजी सचिव आलोक मोहन ने जून के आखिरी सप्ताह में दिल्ली पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई थी। दिल्ली पुलिस के अधिकारी के मुताबिक दोनों आरोपियों के नाम मोहम्मद वकील और मोहम्मद साहिब हैं। ये दोनों ही आरोपी राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले हैं। पुलिस का कहना है कि इस गैंग का मुखिया

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल को सेक्सटॉर्शन कॉल के जरिए ब्लैकमेल करने की कोशिश का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं।

मोहम्मद साबिर अभी फरार है और पुलिस तलाश कर रही है।

क्या होता है सेक्सटॉर्शन कॉल?

इस तरह के कॉल के जरिए किसी का वीडियो वायरल कर बदनाम करने की कोशिश की जाती है। वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग की जा सकती है। अकसर इस तरह का कॉल किसी के पास अचानक आता है। यह एक वीडियो कॉल होता है। अगर कोई वीडियो कॉल रिसीव करता है तो दूसरी तरफ से अश्लीलता परोस दी जाती है। इसके बाद यह वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया जाता है। इस तरह के अकस बुजुर्गों को फांसा जाता है। सेक्सटॉर्शन के जरिए ठगने के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। हालांकि थोड़ी सतर्कता से इस तरह की ब्लैकमेलिंग से बचा जा सकता है।

दिल्ली पुलिस ने बिछाया था आरोपियों को पकड़ने का जाल

दिल्ली पुलिस के पास केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने अपने ऑफिस के जरिए शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश जाते वक्त उनके पास वॉट्सऐप कॉल आया था। जब कॉल रिसीव की तो अश्लील वीडियो चलने लगा। उन्होंने कॉल काट दी तो वॉइस कॉल आ गई और उन्हें बदमान करने की धमकी दी जाने लगी। उन्होंने नंबर और अन्य जानकारियां पुलिस को दे दी थीं। इसके बाद पुलिस ने अपना जाल बिछाना शुरू किया। आरोपियों के नंबर ट्रैस किए गए। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए स्थानीय सूत्रों की मदद ली। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उस फोन को भी बरामद कर लिया है जिससे कॉल की गई थी। इसे फरेंसिक लैब भेजा गया है।

मणिपुर के बीजेपी विधायक को दिया गया बिजली का झटका, मार गया लकवा; अब वापस जाने से डर रहा परिवार

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा की शुरुआत होने के बाद ही भाजपा विधायक विंगजागिन वाल्टे और उनके परिवार पर भीड़ ने हमला कर दिया था। वह मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह से मिलकर सचिवालय लौट रहे थे तभी उनपर भीड़ ने हमला कर दिया। वाल्टे कुकी जनजाति से आते हैं। उनको इतनी बुरी तरह प्रताड़ित किया गया कि वह अपनी याददाश्त खो बैठे थे और उनके अंग भी ठीक से काम नहीं कर रहे थे। बिजली का करंट देने और पिटाई की वजह से उनको लकवा मार गया।

पिटाई के साथ दिया गया बिजली का झटका

60 साल के भाजपा विधायक को एयरलिफ्ट करके दिल्ली लाया गया। इस समय वह अपने परिवार के साथ कालकाजी एक्सटेंशन के एक किराए के मकान में रह रहे हैं। उन्हें हाल ही में अपोलो अस्पताल से छुट्टी दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार आएगा। हालांकि इसमें दो महीने का समय लग सकता है। वाल्ते के बेटे जोसेफ ने कहा, मेरे पिता को रोककर उनके हाथपैर बांध दिए गए। इसके बाद उन्हें एक बड़े हॉल में ले जाया गया। उनके आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बिजली के झटके देने शुरू कर दिए। उनके ड्राइवर की

पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

जोसेफ ने कहा कि उनके पिता के सिर पर वार किया गया और इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वे बैठ भी नहीं पा रहे थे। उनकी याददाश्त चली गई थी और वह कुछ बोल भी नहीं पा रहे थे।

परिवार बोला- सरकार से नहीं मिली कोई मदद–वाल्टे के परिवार का कहना है कि उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली पहुंचाया गया था लेकिन इसके बाद सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिली। बेटे जोसेफ ने कहा कि जब तक मणिपुर के हालात नहीं सुधरते वे वापस घर नहीं जाएंगे। वहीं वाल्टे के परिवार का कहना है कि अब वे नहीं चाहते कि वाल्टे दबारा चुनाव लड़ें और विधानसभा जाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी बड़ा नेता उनसे मुलाकात करने नहीं आया।

जोसेफ ने कहा कि उनके पिता लोगों की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री से बात करने गए थे। उन्होंने कहा कि इलाज बहुत महंगा है। किसी तरह से उन्होंने 60 से 70 लाख रुपये की व्यवस्था की थी। लेकिन अभी कितना लंबा इलाज चलेगा इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। सरकार की तरफ से भी कोई मदद नहीं मिल रही है ऐसे में परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

रोहिणी सेक्टर 24 में धंसी सड़क बाइक सहित गिरे युवक को निकाला गया

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के बेगमपुर थाना अंतर्गत रोहिणी सेक्टर 24 में सुबह अचानक सड़क धंस गई। घटना में एक बाइक सवार उसमें जा गिरा। इसके बाद उसे काफी कोशिश के बाद बाहर

निकाला गया। बताया गया कि उसका नाम हसन (30) है और वह रंग रोगन का काम करता है।

जानकारी के अनुसार, हसन रोजाना की तरह रोहिणी सेक्टर 24 स्थित दुकान पर पहुंचा था। जैसे ही उसने अपनी बाइक खड़ी की, वहां जमीन धंस गई और बाइक और वह उस गड्ढे में गिर गया। इसके बाद आस पास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से आस पास के लोगों की सहायता से हसन को बाहर निकालकर अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी गई और काफी मशक्कत के बाद बाइक को बाहर निकाला गया।

राघव चढ्ढा ने संजय सिंह के निलंबन को बताया गैरजरूरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चढ्ढा ने अपने सहयोगी सांसद संजय सिंह को निलंबित किए जाने के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संसद में शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा जब देश के एक बेहद ज्वलंत मुद्दे पर सवाल करने पर किसी राज्यसभा सदस्य को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी संसद सदस्य का पूरे सत्र के लिए निलंबन विशेष परिस्थिति में किया जाता है। ऐसा तब किया जाता है, जब उस सांसद ने संसद के भीतर कोई हिंसक कार्य किया हो या उसने संसद का कोई प्रस्ताव फाड़कर सभापति की कुर्सी की ओर फेंका हो या फिर उसने अपनी किसी गतिविधि से संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाई हो। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को सिर्फ सभापति की कुर्सी के पास जाकर सवाल करने के लिए पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना सिर्फ एक राज्य का मसला नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है। इसलिए इस मुद्दे पर संसद में वृहद और विशेष चर्चा कराने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में हो रही हिंसा का बुरा प्रभाव अब आसपास के राज्यों पर भी पड़ने लगा है। आज मिजोरम में भी मणिपुर की तर्ज पर एक घटना घटी, जहां एक विशेष समुदाय के लोगों पर हमला किया गया और उन्हें राज्य छोड़कर बाहर जाने को कहा गया। अगर इस मामले का जल्द समाधान नहीं किया गया तो यह पूरे नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों के लिए खतरा बन सकता है।

मकान का छज्जा गिरा, दो की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के पंजाबी बाग इलाके में एक मकान का छज्जा गिर गया। हादसे में एक महिला और तीन साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान ममता (30) व तीन साल के बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि पंजाबी बाग के अरिहंत नगर स्थित एक मकान का छज्जा गिर गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे दो लोगों को बाहर निकाल कर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घटना के संबंध के बारे में पूछे जाने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला मकान की देखरेख का काम करती थी। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मुखर्जी नगर में कोचिंग सेंटर को बंद करने का दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-बिना फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र के चल रहे कोचिंग सेंटर में 15 जून को लगी थी आग

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के मुखर्जी नगर में 15 जून को कोचिंग सेंटर में लगी आग पर सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने बिना फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र के चल रहे कोचिंग सेंटर को बंद करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, दिल्ली फायर सर्विसेज और दिल्ली नगर निगम से 10 अक्टूबर तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने 16 जून को इस घटना पर स्वत: संज्ञान लिया था। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली फायर सर्विसेज, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी किया था। हाईकोर्ट ने फायर सर्विस अथॉरिटी को आडिट करने का निर्देश देते हुए यह पता लगाने को कहा था कि अथॉरिटी ये पता लगाएं कि ऐसी इमारतों के पास फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट हैं या नहीं। मुखर्जी नगर में 15 जून को कोचिंग सेंटर में आग लग गई, जिसके बाद मची अफरातफरी के बाद छात्रों ने रस्सी के सहारे उतरकर अपनी जान बचाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस मामले में मुखर्जी नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336, 337, 338, 120बी और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली सरकार के खिलाफ भाजपा का विशाल प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच सियासी जंग लगातार जारी है। अब दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर विशाल प्रदर्शन किया। भाजपा का यह प्रदर्शन आंध्र भवन के पास किया गया। यह प्रदर्शन केजरीवाल सरकार की विफलताओं के विरोध में किया गया है।

वहीं विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। इस दौरान पुलिस ने वाटर कैनन का भी प्रयोग किया है।

जानकारी के अनुसार भाजपा के कार्यकर्ता 'आप' के ऑफिस की तरफ बैरिकेडिंग तोड़कर जा रहे थे, इस दौरान दिल्ली पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

हुई। इस विशाल प्रदर्शन में वीरेंद्र सचदेवा, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट ने आरटीजीएस रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए दिल्ली सरकार को अविलंब 415 करोड़ रुपए भुगतान करने को कहा। इसी के बाद दिल्ली सरकार के खिलाफ भाजपा प्रदर्शन कर रही है। भाजपा का कहना है कि मेट्रो के लिए केजरीवाल के पास पैसा नहीं है, लेकिन विज्ञापन के लिए पैसा है। वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदर्शन के दौरान 'आप' सरकार के खिलाफ चार्जशीट पेश करते हुए दिल्ली की बदहाली के लिए केजरीवाल को कटघरे में खड़ा किया है।

दिल्ली के लिबासपुर स्थित प्लास्टिक फैक्टरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के समयपुर बादली स्थित लिबासपुर की एक प्लास्टिक फैक्टरी में सोमवार दोपहर आग गई। धीरे धीरे आग ने फैक्टरी के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाना शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान फैक्टरी के अंदर काम करने वाले चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल हुए चारों लोग खतरे से बाहर हैं लेकिन उनका इलाज जारी है। गनीमत रही कि आग लगने के तुरंत बाद लोग समय रहते निकल गए वरना अन्य ये लोग भी चपेट में आ सकते थे। दमकल विभाग के अनुसार सोमवार दोपहर करीब एक बजे सूचना मिली कि लिबासपुर स्थित एक फैक्टरी में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की 13 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल समयपुर बादली थाना पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने पुराने लोहे वाले पुल के निकटवर्ती बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर से यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शाहदरा जिले में पुराने लोहे वाले पुल के निकटवर्ती इलाकों में बनाए गए बाढ़ राहत शिविरों का सघन निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजस्व विभाग, दिल्ली पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, वन विभाग, पीडब्लूडी, आईएन्डएफसी और पशुपालन आदि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सभी मौजूदा अधिकारियों को सामान्य स्थिति आने तक राहत और बचाव कार्य के लिए राहत शिविरों में रहने, खाने-पीने, शौचालय और मेडिकल सहित सभी जरूरी सुविधाएं जारी रखने के निर्देश दिए गए। राहत शिविर में लोगों को फ्री राशन और खाने का सामान भी बांटा गया। साथ ही पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि वर्तमान में यमुना का जलस्तर धीरे धीरे नीचे आता दिखाई दे रहा है और यदि

हथिनीकुंड से पानी फिर न छोड़ा गया तो यमुना के शाम तक खतरे के निशान से नीचे आने के आसार है। राहत शिविरों का जायज़ा लेने के बाद गोपाल राय ने बताया की हथिनीकुंड बैराज से फिर से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण एक बार फिर नदी खतरे के निशान को पार कर गई थी। इसी के चलते आज हमने शाहदरा जिले के पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का जायज़ा लिया। आज सुबह तक यमुना नदी का जल स्तर खतरे के निशान पर था लेकिन अब धीरे धीरे पानी नीचे उतर रहा है और यदि हथिनीकुंड से पानी फिर न छोड़ा गया तो यमुना के शाम तक खतरे के निशान से नीचे आने के आसार है, लेकिन ऐसे में सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की हम हर खतरे से दिल्लीवासियों को बचाने के लिए तत्पर रहे। इससे प्रभावित होने वाले लोगों की मदद करें और उन्हें हर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाएं। इस अवसर पर पशुपालन विभाग को सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे पशुओं के पुनर्वास, उनके लिए दवाई और टीका की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। साथ ही राहत शिविर में नियमित रूप से पर्याप्त पशु चारा भी उपलब्ध कराने और मेडिकल टीम को बाढ़ राहत शिविर में मवेशियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने का भी निर्देश दिया गया। राय ने बताया कि हमारी कोशिश है कि हम नियमित रूप से ग्राउंड लेवल जानकारी लेने और आवश्यक बचाव, राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए सम्बंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए कार्य करें ताकि इन बाढ़ राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को किसी तरह की भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

हर घर को साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में वॉटर-एटीएम का प्रयोग कर रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली में हर घर तक साफ पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर मिशन मोड में काम कर रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जगह-जगह आरओ एटीएम भी लगाए जा रहे हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मायापुरी फेस दो के खजान बस्ती में आरओ एटीएम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली के हर घर तक साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में हम वॉटर-एटीएम जैसा अनूठा प्रयोग भी कर रहे हैं। जहां-जहां हमें टैंकर से पानी देना पड़ता है, वहां हम वॉटर-एटीएम शुरू करेंगे। अमीर लोगों की तरह अब दिल्ली के गरीब लोग भी आरओ का साफ पानी पिया करेंगे। दिल्ली में पायलट प्रोजेक्ट के तहत खजान बस्ती के अलावा शकुरबस्ती, कालका और झरोदा में आरओ प्लांट शुरू हो चुके हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के करीब 500 आरओ प्लांट लगाए जाएंगे। हर व्यक्ति को वॉटर एटीएम कार्ड दिया जाएगा, जिसकी मदद से वो प्रतिदिन 20 लीटर फ्री पानी ले सकेगा। इस दौरान जल मंत्री सौरभ भारद्वाज, डीजेबी के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती और स्थानीय विधायक राजकुमार ढिल्लों समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कई इलाके ऐसे हैं, जहां बहुत ज्यादा घनी आबादी है। कई इलाकों में टैंकर से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जाती है। कई कारणों की वजह से ऐसे इलाकों में पानी की पाइप लाइन नहीं डाली जा सकती। ऐसे इलाकों में पानी की पर्याप्त आपूर्ति के लिए हमने तकनीक का इस्तेमाल कर नया तरीका निकाला हैइसके तहत हम जिन इलाकों में भू-जल स्तर ऊंचा होगा, वहां पर ट्यूबवेल लगाएंगे। दिल्ली के कई इलाकों में भू-जल की गुणवत्ता बहुत अच्छी नहीं है। ट्यूबवेल से इस पानी को निकालेंगे और आरओ से उसकी सफाई करेंगे। इसके बाद आरओ का पानी लोगों को दिया जाएगा। इसके लिए लोगों को वाटर एटीएम (कार्ड) जारी किया गया है। इस वाटर एटीएम की मदद से प्रति व्यक्ति 20 लीटर पानी प्रतिदिन ले सकता है। प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 20 लीटर पानी काफी होता है।

दिल्ली के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर कहा कि हरिनगर के खजान बस्ती मायापुरी में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ वॉटर एटीएम प्लांट का शुभारंभ किया। दिल्ली में जिन इलाकों में पानी की लाइन नहीं पहुंच पाती है, उस जगह पर दिल्ली सरकार ट्यूब बेल के जरिये पानी का आर.ओ प्लांट लगाकर स्थानीय जनता को साफ़ व शुद्ध पानी उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि खजान बस्ती के प्लांट में एक कार्ड के जरिए हर रोज 20 लीटर पानी लिया जा सकता हैं। अब तक इस तरह से पूरी दिल्ली में चार वाटर एटीएम लगे हैं, 500 एटीएम दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में लगने हैं। अब तक 2500 कार्ड दिए जा चुके हैं। वहीं, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने ट्वीट कर कहा कि जो कहां सो किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में 93 फीसद इलाकों में दिल्ली जल बोर्ड की लाइनें बिछा दी गई हैं। बाकी सात फीसद में वे इलाके हैं, जो बहुत घने हैं और पानी की लाइन बिछाना बहुत मुश्किल है। उन इलाकों के लिए आरओ प्लांट के जरिए शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में सौ साल की महिला को परिवार के साथ किया गया रेस्क्यू

ग्रेटर नोएडा। यमुना नदी के बाद लगातार हिंडन जलस्तर भी बढ़ रहा है जिसके कारण ग्रेटर नोएडा के कई निचले इलाकों में कॉलोनियों में पांच फुट के आसपास पानी पहुंच गया है। लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा रहा है। इसी बीच एनडीआरएफ और लोकल पुलिस की टीम ने 100 साल की एक महिला को उसके परिवार समेत रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बिसरख पुलिस को सूचना मिली कि 100 वर्षीय एक महिला अपने परिवार के साथ बाढ़ की वजह से घर में फंसी हुई है। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम और बिसरख थाना पुलिस नाव लेकर मंगलवार रात ही उसके घर तक पहुंच गई। वहां तीन लोग बाढ़ की वजह से घर में फंसे हुए थे। इस दौरान एनडीआरएफ की टीम और पुलिस ने अजब देवी (100), प्रशांत(77) और 35 वर्षीय एक महिला को बाहर

निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। रेस्क्यू किए जाने के बाद बुजुर्ग महिला ने पुलिस का धन्यवाद किया और कहा कि उन्हें विश्वास ही नहीं था कि वह वहां से निकल पाएंगी।

बीती कई दिनों से हिंडन का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तरफ से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बार-बार चेतावनी दी जा रही है और सूचना दी जा रही है कि वह सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएं। साथ ही पुलिस कई दिनों से लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है।

गाजियाबाद में मामूली बात पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में आधी रात को मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद हत्यारे फरार हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसीपी वेव सिटी ने बताया कि लाल कुआं चौकी क्षेत्र अन्तर्गत में विनय अपने दो अन्य साथियों के साथ सोमवार की रात को कहीं जा रहा था। रास्ते में किसी बात को लेकर उसकी उन युवकों से कहासुनी के बाद हाथापाई हुई। साथियों ने उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में मृतक के परिवार ने पुलिस को अज्ञात युवकों द्वारा विनय की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

गौतमबुद्ध नगर में बारिश के चलते 12वीं तक सभी स्कूल बंद

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में 12वीं तक के सभी सरकारी स्कूलों को बुधवार को बंद कर दिया गया। आज तड़के से हो रही तेज बारिश को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर के जिला अधिकारी ने सुबह यह आदेश जारी किया।

जिला अधिकारी का यह संदेश सुबह सवा सात बजे लोगों तक पहुंचा है। तब तक कई स्कूलों की बसें बच्चों को लेकर रवाना हो चुकी थीं। अब बच्चों के पहुंचने के बाद स?कूलों में छुट्टी की जा रही है और बच्चों को वापस घर भेजा जा रहा है।मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कुछ दिनों तक एनसीआर में तेज बारिश होने की संभावना है। नोएडा और गाजियाबाद के कई निचले इलाकों में पहले ही बाढ़ का पानी आ चुका है जिसकी वजह से वहां रह रहे लोग काफी परेशान हैं। इसके साथ साथ अब हिंडन नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है और उसके चलते बड़ी-बड़ी हाईराइज सोसाइटी और डूब क्षेत्र में बनी अवैध कॉलोनियों में भी पानी जमा हो गया है।

नोएडा और गाजियाबाद में आज सुबह से ही तेज बारिश हो रही है जिसको देखते हुए नोएडा के जिला अधिकारी मनीष वर्मा ने सुबह आदेश जारी किया की 12वीं तक के सभी स्कूल पूरे जिले में आज बंद रहेंगे। उनके द्वारा जारी किया यह मैसेज सुबह 7-12 बजे लोगों को मिला और उसके बाद मीडिया के

जरिए यह प्रसारित होना शुरू हुआ।

इससे पहले ही काफी संख्या में बच्चे स्कूल जा चुके थे। अब स्कूलों को बंद कर आदेश का पालन करवाया जा रहा है और बच्चों को वापस उनके घर भेजा जा रहा है। आने वाले कुछ दिनों तक तेज बारिश होने की संभावना बरकरार है।

गाजियाबाद में घरों में पांच फीट तक भरा हिंडन नदी का पानी, एनडीआरएफ ने 40 लोगों को बचाया

गाजियाबाद। गाजियाबाद के हिंडन नदी में जलस्तर लगातार बढ़ने से पहले सिटी फॉरेस्ट में पानी घुसा और पास के ही अटौर गांव में 5-5 फुट तक पानी पहुंच गया। देर रात बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। एनडीआरएफ के इस रेस्क्यू ऑपरेशन में 40 लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। फर्रुखनगर इलाके के नंगला अटौर गांव में एकाएक बाढ़ का पानी आबादी की ओर बढ़ने लगा। आबादी के कुछ मकान करीब 5-5 फीट तक पानी में डूब गए। इन घरों में रह रहे लोगों ने छतों पर चढ़कर जान बचाई। जिला प्रशासन की सूचना पर एनडीआरएफ 8वीं बटालियन की एक रेस्क्यूअर टीम शाम 6 बजे पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रात 11 बजे तक चले इस ऑपरेशन में 40 लोगों को घरों से सुरक्षित निकालकर दूर-दराज वाले स्थानों पर पहुंचाया गया। इस ऑपरेशन के दौरान ही एनडीआरएफ टीम की लोकेशन दो बार चेंज हुई, जहां पर लोग फंसे हुए थे। सभी पॉइंट पर जवानों ने पहुंचकर लोगों को बाढ़ से बचाया। उधर, गांव करहेड़ा की चार कॉलोनियों में हिंडन नदी का पानी भर गया है। इन कॉलोनियों में रहने वाले एक हजार से ज्यादा परिवार दहशत में आ गए हैं। शिवचरण कॉलोनी, उदम कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी और काष्णा कॉलोनी बिल्डर के द्वारा काटी गई हैं। लोगों का कहना है कि बाढ़ का पानी घरों की तरफ बढ़ रहा है, लेकिन जिला प्रशासन ने कोई सुध नहीं ली है। बाढ़ के चलते सिटी फॉरेस्ट बीते तीन दिन से बंद पड़ा हुआ है, जो करीब 175 एकड़ में फैला हुआ है। शाम गाजियाबाद के बाढ़ राहत प्रभारी एडीएम विवेक श्रीवास्तव ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर जायजा लिया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि हिंडन नदी के किनारे नहीं जाएं। किसी भी स्थिति में आपदा के कंट्रोल रूम को सूचित करें। एडीएम ने बताया, गांव करहैड़ा और अटौर में राहत शिविर बना दिए गए हैं, यहां पर लोगों को सुरक्षित रखा जाएगा।

नेल एक्सटेंशन से दें हाथों को नई लुक

सुंदर चेहरा और बेहतरीन लुक्स के लिए आप बहुत कुछ करते हैं, लेकिन अपने नाखूनों को लेकर ज्यादातर महिलाएं चिंतित नहीं होती। नतीजतन नाखूनों की न तो अच्छी शेप रहती है और न ही हाथ सुंदर दिखते हैं। नाखूनों को सही शेप में रखने के साथ-साथ अब ब्यूटी एक्सपर्ट्स महिलाओं को नेल एक्सटेंशन के लिए भी जागरूक कर रहे हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ महिलाओं में नाखूनों को दांतों से काटने की आदत होती है तो कुछ के नाखून सही तरीके से बढ़ नहीं पाते । ऐसे में नेल एक्सटेंशन से वह इस प्रॉब्लम से छुटकारा पा सकती हैं। साथ ही नेल आर्ट के जरिए वह अपने नाखूनों को आकर्षक बना सकती हैं।

नेल एक्सटेंशन से पाएं लंबे नाखून: नेल एक्सटेंशन दो तरीके से की जाती है-जैल बेस्ड व एक्रीलिक। इनके जरिए नाखूनों को बढ़ाया जाता है। मैटरिक्स की मैनेजर अमन बताती हैं कि ज्यादातर महिलाएं अब नेल एक्सटेंशन करवा रही हैं। नेल एक्सटेंशन के बाद 15 से 20 दिनों तक नाखूनों की लाइफ होती है। इसके बाद फिर से रीफिल करवाने की जरूरत होती है। नेल एक्सटेंशन के बाद हफ्ते में एक बार मैनीक्योर करवाना चाहिए ताकि नाखूनों की देखभाल हो सके। इसके अलावा हीट से बचने की भी जरूरत होती है।

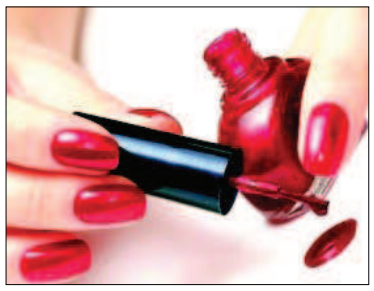

नेल आर्ट से दिखें सबसे अलग: शैज की मैनेजर ईशा बताती हैं कि अब महिलाएं पार्टीज में जाने से पहले मेक अप के साथ साथ नेल आर्ट करवाना भी पसंद करती हैं। स्टड्स और डिजाइनर नेल आर्ट की डिमांड अब ज्यादा हो गई है। इसके अलावा ड्रेस के रंगों से मेल खाता हुआ नेल आर्ट किया जाता है जो कि आपको डिफरेंट लुक देता है।

फ्लोरोसेंट कलर्स है फैशन में: नेल पेंट के लिए इस सीजन में फ्लोरोसेंट शेड्स ट्रेंड में हैं। ब्लू, ऑरेंज, ग्रीन , ब्लैक व गोल्डन कलर के साथ आप एक्सपेरीमेंट कर सकती हैं। टीनएजर्स के लिए ग्रीन, ब्लैक जैसे बोल्ड कलर्स ट्रेंड में हैं, क्योंकि यह रंग यकीनन अटेंशन हासिल करने में कामयाब रहते हैं। वहीं महिलाओं के लिए ब्राउन या पिंक कलर ही फैशन में हैं, क्योंकि महिलाएं ज्यादा बोल्ड कलर्स के साथ एक्सपेरीमेंट करना नहीं चाहती। वहीं नेल पेंट में लाल रंग की च्वाइस करने से पहले यह देख लें कि वह आपके हाथों पर अच्छा लगेगा या नहीं, क्योंकि लाल रंग में भी कई तरह के शेड्स मार्केट में उपलब्ध हैं।

नेल एक्सटेंशन : नेल एक्सटेंशन के लिए आपको 2000 से 7000 रुपए तक खर्च करने होंगे व रीफिल के लिए लगभग 500 रुपए तक का खर्च होता है।

भुट्टे की कचौरी

सामग्री: 1 कटोरी भुट्टे के दाने कद्दूकस किए हुए, 1प्याज बारीक कटा हुआ, 25 ग्राम हरा धनिया बारीक कटा हुआ, 1 चुटकी हींग, 1/2 टी स्पून लाल मिर्च पावडर, 1/2 टी स्पून धनिया पावडर, 1/2 टी स्पून हल्दी, 1 टी स्पून मोटी सौंफ 1/2 टी स्पून नीबू का रस व शकर, नमक स्वादानुसार, 1 कटोरी मैदा और तलने के लिए तेल।

विधि: कड़ाही में तेल गरम करके उसमें सौंफ हींग, हरी मिर्च, भुट्टे, प्याज डालें और हल्का ब्राउन होने पर समस्त सूखा मसाला डालें। गैस बंद करके हरा धनिया, नीबू, शकर डालें। मैदे में तेल को हल्का गरम करके मोयन डालें और पानी की सहायता से गूँथ कर तैयार करें। तैयार मसाले के गोले बना लें और मैदे की लोई बनाकर हथेली की सहायता से थोड़ा चपटा करें। बीच में मसाला रखकर चारों तरफसे पैक करें और अँगूठे की सहायता से बीच से थोड़ा से दबाएँ और तेल में तल लें। चटनी के साथ गरम-गरम सर्व करें।

टोकरियों में समाई हरियाली

प्रकृति के नजदीक रहना सभी को अच्छा लगता है। चारों ओर फैली हरियाली, खुशबुओं से सराबोर रंग-बिरंगे फूल पलभर में हमारे सारे तनाव भुला देते हैं, लेकिन तेजी से होते विकासक्रम में जगह की कमी के कारण बगीचा या किचन, गार्डन का अस्तित्व गमलों में सिमट गया है। अब तो महानगरों की तर्ज पर सभी जगह फ्लैट कल्चर का ही बोलबाला है, जहाँ गमलों के लिए भी जगह बड़ी मुश्किल से मिलती है। लेकिन कहते हैं न जहाँ चाह वहाँ राह, तो आप छोटी तथा सुंदर टोकरियों में भी फूल-पौधे लगाकर बालकनी या छत पर कड़े या जंजीर से टाँग सकते हैं। यह बागवानी का एक बेहतरीन तथा सुंदर विकल्प है।

यूँ तो पुराने समय में भी घर को नया लुक देने के लिए पौधों की टोकरियों का उपयोग होता था किंतु समय के साथ इसमें कुछ बदलाव हुए हैं। पहले एल्युमीनियम या लोहे के तार से बनी बास्केट होती थी जिनमें किनारों से फूस भरकर बीच की मिट्टी में पौधे लगाए जाते थे और मैटलिक जंजीर के सहारे यह लटकाई जाती थी। अब मैटलिक जंजीर की जगह प्लास्टिक की जंजीर आने लगी है। जिसमें जंग लगने का खतरा नहीं रहता और रखरखाव में भी यह ज्यादा सुविधाजनक हो गई है। आइए इनके बारे में और जानें।

- बारिश का मौसम सबसे उपयक्त है सभी तरह के पौधे लगाने के लिए।
- हैंगिंग बास्केट में पौधे लगाने के लिए टोकरियों का चुनाव करते वक्त ध्यान दें, बास्केट या टोकरी का साइज 14 इंच से कम न हो। ताकि पौधा लगाने के बाद जड़ें फैलने के लिए पर्याप्त जगह रहे।
- बाजार में आजकल प्लास्टिक की बास्केट रंग-बिरंगी कई डिजाइन में उपलब्ध है। वैसे आप चाहें तो पुराने समय की जालीदार बास्केट्स भी रख सकती हैं।
- जगह को देखते हुए उसी हिसाब से बास्केट लें। उन्हें छत की दीवार या बालकनी के एक कोने से दूसरे कोन में रॉड के सहारे लटका दें।
- हल्के भार की मिट्टी और पौधे का इस्तेमाल करें जिससे बास्केट ज्यादा भारी न होने पाए।
- हैंगिंग बास्केट में पौधे लगाते वक्त पौधों का चयन सावधानी से करें। ज्यादा घने मोटे तने वाले पौधे न लगाएँ। इनमें छोटे आकार के फूलों वाले पौधे व फर्न्स लगाएँ।
- लटकाने वाली टोकरियों में लगाने वाले पौधों के नाम हैं स्वीटएलाइसम, वरवीना, पिटुनिया, नस्टरसियम पोतुंलाका, टोरोन्सिया, फर्न आदि।

- बास्केट रखते वक्त ध्यान दें, इन्हें ज्यादा ऊँचाई वाली जगह पर न रखें। इससे आपको देखभाल में आसानी होगी।
- पानी पौधे के ऊपर से डालें। इससे एक तो पत्तियाँ साफ व धुली-धुली चमकती हुई लगेंगी व पूरा पौधा पोषित होगा। सबसे अच्छा तरीका 'स्प' का है।
- बास्केट रखे जाने वाली जगह पर यदि एक ही तरफधूप आती हो तो समय-समय पर इन्हें घुमाती रहें। जिससे पूरे पौधे को धूप मिले।
- ये घर की दीवारों या छत को बिलकुल भी खराब नहीं करती। कचरा भी कम होता है तथा जगह भी कम घेरती हैं, ये हैंगिंग बास्केट। तो आप भी ये टिप्स अपनाकर हैंगिंग गार्डन बना सकती हैं और प्रकृति से दोस्ती कर सकती हैं।

ऐसे पाएं चेहरे पर निखार

हर महिला के जीवन में भाग-दौड़ लगी रहती है, फिर चाहे आप घरेलू हों या नौकरीपेशा। ऐसे में अपने शरीर को बेहतर रखने के लिए हम ज्यादा वक्त नहीं दे पाते। जानिए जल्दी फिक्स होने वाली ब्यूटी केयर टिप्स।

क्विक क्लीनिंग

ऑफिस से लेट आने के बाद अगर पार्टी में जाना हो तो चाय की उबली हुई पत्ती में पपीता और नमक लगाकर चेहरे पर मसाज करिए। अगर ड्राय स्किन है तो इसमें एक चम्मच नारियल का तेल मिलाइए और कुछ देर चेहरे पर लगा रहने के बाद धो लें और चेहरे पर निखार देखें।

फूली हुई आंखें

देर रात तक जागकर काम करते हुए कई बार आंखें फूली हुई हो गई हों तो कच्चे आलू को कद्दूकस करके पेस्ट तैयार करिए। रुई के दो फाए के बीच में रखकर आंखों पर पंद्रह मिनट के लिए रख लीजिए। अगले दिन सुबह आंखें काफी हद तक सामान्य हो सकती हैं।

त्वचा की ताजगी

चेहरे की त्वचा को ताजगी देने के लिए टिशू पेपर को गीला करके उसका पानी निचोड़ दें। ध्यान रखें कि आप पेपर की गेंद न बना बैठें। इसे सीधा-सीधा चेहरे पर रखें, इससे त्वचा पर चिपकी हुई धूल और गंदगी की परत दूर हट जाती है। इसे तीन से पांच सेकंड के लिए लगाए रखें और धोइए।

क्विक पैक्स

तैलीय त्वचा वाले अपने चेहरे के लिए घर में पैक बनाते वक्त दो चम्मच दही में खीरा और दलिया मिलाएं। इस पेस्ट को आधे घंटे लगाकर चेहरा धो लें। ड्राय त्वचा के लिए मलाई में दलिए का पावडर, आधा चम्मच शहद और केला मिलाकर लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर — मे जा जी खी खू खे खो गा गी

कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

काकुरो पहेली - 2876

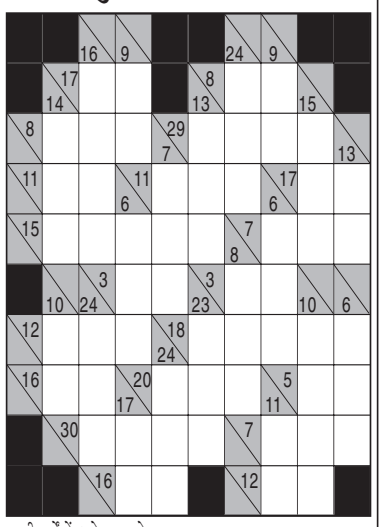

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2875 का हल

13	20			30	11		10	3
14	6	8	8	6	2	4	3	1
16	7	9	16 23	7	9	6 24	4	2
	20	3	8	9	8	7	1	10
		14 10	6	8	13 23	8	2	3	4
	11 11	2	9	17 11	8	9	3	2	1
5	2	3		9	3	6		4 20	1	3
13	9	4	10 3	1	9	7 13	3	4	
	8	1	2	5		14	6	8	
		3	1	2		16	7	9	

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2876

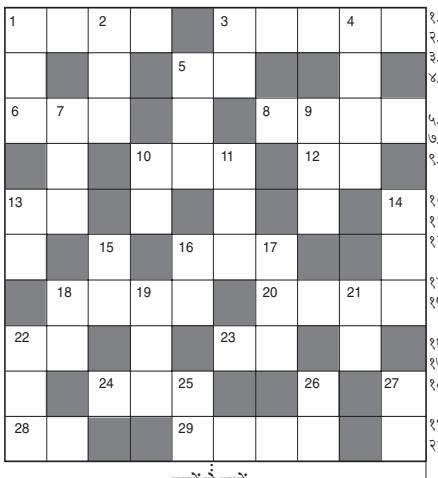

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2875

पि	या	का	घ	र		ए	ल	ओ	सी
ता	रा		र		घा	त		म	
	ना	च		चाँ		द	खी		फ
रे		मे	हं	दी		ज		खा	की
श	मीं	ली		सो	च		श		द
नी			ब	ना	र	सी	बा	बू	
	ग	द	र		स		ना	म	
बा	ज		सा	थी		मि			अं
जा	ल		त		दि	ल	का	र	जा
र		माँ		मि	ल	न			म

सूडोकु -2876

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2875 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2876

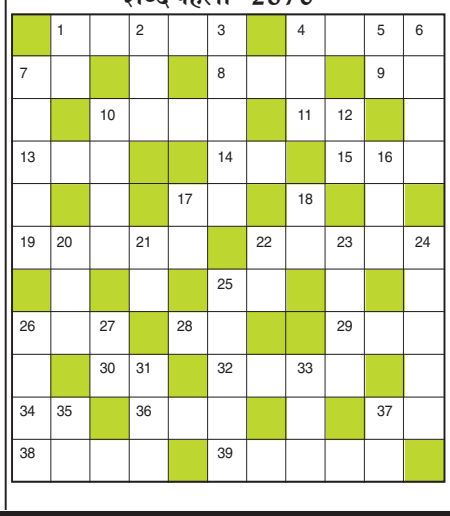

बाएँ से दाएँ

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा,कारपेट-3
9. किनारा,छोर-2
10. झगड़ा,कहासुनी-4
11. समय,वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र,स्वदेश-2
15. पुत्र,लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र,व्यवहार-2,3
25. जीव,दूत,जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत,जोश,बल-2
29. कराह,टीस,लालसा-3
30. वहम,संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा,घास-2
36. चोंगा,गाऊन-3
37. सफर,जात्रा-2
38. दयालु,कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी,मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला,श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल,पत्ता-2
18. रुखसार,कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़,योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच,नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2875 का हल

	व	र	दा	न		अ	प	मा	न
स			य		म		ह		ह
र		श	रा	र	त	क	र	ना		व
क	ल	ह			बा			का	न	न
ना		र		अ	ला	व		रा	ख	
	दा		का	म		च	प्प		रा	
	व	जु		न	म	न		पा		मु
क	त	रा			ह्या			ल	ल	क
ल			ब	लि	दा	न	क	र	ना		र
म			ख		ता		ई			ना
	ना	ना	ना	नी		फि	स	ल	ना	

संपादकीय

डोभाल की खरी-खरी

गौरतलब है, मई 2020 में जिस समय गलवान की घटना घटी थी, वांग यी चीन के विदेश मंत्री हुआ करते थे, और इस वक्त वह न सिर्फ वहां के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं, बल्कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी भी माने जाते हैं। इसलिए डोभाल की इस दोटूक बात से बीजिंग को एहसास हो गया होगा कि सरहद पर तनाव पैदा करके वह नई दिल्ली को सौदेबाजी के लिए बाध्य नहीं कर सकता!

कारगिल विजय दिवस से ठीक पहले जोहानिसबर्ग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश मामलों के आयोग के निदेशक वांग यी से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने जिस बेलाग तरीके से भारत के भरोसा दरकने की बात कही, उसके गहरे अर्थ हैं। खासकर तब, जब साल 2019 के बाद सीमा संबंधी मसलों पर दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की यह पहली बैठक हो। गौरतलब है, मई 2020 में जिस समय गलवान की घटना घटी थी, वांग यी चीन के विदेश मंत्री हुआ करते थे, और इस वक्त वह न सिर्फ वहां के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं, बल्कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी भी माने जाते हैं। इसलिए डोभाल की इस दोटूक बात से बीजिंग को एहसास हो गया होगा कि सरहद पर तनाव पैदा करके वह नई दिल्ली को सौदेबाजी के लिए बाध्य नहीं कर सकता! डोभाल से पूर्व भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अनेक मौकों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि जब तक सीमा पर शांतिपूर्ण संबंध न होंगे, तब तक दूसरी तमाम बातें मायने नहीं रखतीं। चीन हमेशा से यही चाहता रहा है कि सीमा संबंधी मसले को पीछे रखकर बाकी विषयों पर, खासकर कारोबारी रिश्तों के विस्तारीकरण की दिशा में आगे बढ़ा जाए, मगर भारत के सख्त रुख का ही नतीजा है कि उसके रवैये में कुछ नरमी दिखी है। मगर यह कितनी वास्तविक है, इसकी परख उसके द्वारा उठाए जाने वाले कदमों से होगी। क्या वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मई 2020 से पहले की स्थिति कबूलने को तैयार है? दरअसल, कोविड महामारी के समय से ही चीनी अर्थव्यवस्था गंभीर मुश्किलों का सामना कर रही है। अब यह राज की बात नहीं कि अमेरिकी तनातनी के कारण उसके यहां से निवेशकों का पलायन हुआ है और कई चीनी कंपनियों को पश्चिमी देशों में तरह-तरह के प्रतिबंधों से गुजरना पड़ रहा है। अभी-अभी भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली उसकी एक कंपनी के 8,200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को ठुकराया है। खबर यह भी है कि घरेलू मांग में कमजोरी के कारण चीन की अर्थव्यवस्था के सामने नए किस्म का संकट पैदा हो गया है और पोलित ब्यूरो ने इससे निपटने व आंतरिक स्तर पर मांग को मजबूती देने के लिए नीतिगत प्रोत्साहन का रास्ता सुझाया है। भारत की मजबूत होती आर्थिक स्थिति व वैश्विक मंचों पर उसके बढ़ते महत्व को स्वीकारने में बीजिंग को चाहे जितनी हिचक हो, वह इस असलियत की अनदेखी नहीं कर सकता। इसलिए वह चाह रहा है कि द्विपक्षीय रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का रास्ता निकाला जाए। भारत तो हमेशा से ही पड़ोसी देशों से बेहतर संबंधों का हिमायती रहा है, मगर चीन और पाकिस्तान से उसे बार-बार निराशा ही हाथ लगी है। यह सही है कि भूगोल पड़ोसी चुनने की इजाजत नहीं देता, मगर तालुकात साफ नीयत पर ही टिकते हैं। शी जिनपिंग यदि वाकई विश्वास-बहाली को लेकर गंभीर हैं, तो बीजिंग को खुले दिल व ठोस कार्यक्रमों के जरिये सीमा-विवाद सुलझाने की पहल करनी चाहिए। भारत और चीन मिलकर एशिया का भविष्य बदल सकते हैं, पर भारत यह जरूर देखना चाहेगा कि क्या बीजिंग की मंशा साफ है? एक ओर, भारत विरोधी ताकतों का समर्थन, सरहद पर तनाव बढ़ाने का उपक्रम, और दूसरी ओर आर्थिक सहयोग की आकांक्षा नई दिल्ली को स्वीकार्य नहीं। इसलिए अजीत डोभाल की दोटूक बात न सिर्फ राजनयिक रूप से, बल्कि भारतीय जन-मन की इच्छा के भी अनुरूप है।

कार्टून

ज़िंदादिल विद्यार्थी ही निकलें विश्वविद्यालयों से

अविजीत पाठक

अविजीत पाठक

कुछ दिन पहले जब मैंने दिल्ली की साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू) के चार शिक्षकों के निलंबन की खबर पढ़ी, मुझे झटका तो लगा पर अनावश्यक हैरानी भी नहीं हुई। खैर, ये सब प्रोफेसर, जितना मैं जानता हूं, अपने-अपने विषय में महारत रखते हैं। लेकिन वे तथाकथित 'विशुद्ध मूल्य-निर्लेप' व्यावसायिक अध्यापक बनने की बजाय अंतरात्मायुक्त असली शिक्षक बनें, वह जो अपने विद्यार्थियों के साथ खड़ा हो और घुल-मिलकर रहे। कोई आश्चर्य नहीं कि छात्र अपनी मासिक छात्रवृत्ति घटाए जाने का विरोध कर रहे थे और कुछ 'वैधानिक समितियों' में अपने प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग भी थी। निलंबित अध्यापकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रों से वार्ता करने और इस आंदोलन को महज कानून-व्यवस्था समस्या ठहराकर पुलिस के हाथों निपटाने की बजाय मसले का हल सहज तरीके से निकालने का आह्वान किया था। एक शिक्षक अस्पताल में भर्ती उस छात्र का हाल जानने पहुंचे, जो आंदोलन के दौरान गंभीर रूप से बीमार पड़ा। एक अच्छे समाज में, इन गुणों और नीयत के लिए उक्त शिक्षकों की बल्कि प्रशंसा होती। पर, हम अलग वक्त में जी रहे हैं जिसने हर चीज़ को उलटकर रख दिया है - नैतिकता को अनैतिकता में, संवेदनशीलता को व्यावसायिकता में और छात्रवृत्ति को बेरपरवाही में। इसलिए, जैसा कि मैं सोचता हूं, उनका निलंबन होना ही था क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन से उनकी ऐसी 'उद्दंडता' आखिर कैसे सहन होती! खैर, यह समझना मुश्किल नहीं है कि इस किस्म के अनुशासनात्मक उपायों से विश्वविद्यालय प्रशासन शिक्षक समुदाय को दो संदेश देना चाहता है- (अ) बतौर अध्यापक, आपको अपनी सीमाओं का भान होना चाहिए, अपनी मोटी तनख्वाह लो, चुप रहो और कक्षा में 'राजनीति मत लाओ', वर्ना दंडात्मक कार्रवाई के लिए तैयार रहो। (ब) हमारे निगरानी तंत्र को हल्के में मत लो, वह निरंतर आप लोगों पर नज़र रखता है, आपका हर काम और हरकत उसे पता रहती है और जिन 'मार्क्सवादी अध्ययन परिधि' जैसे 'कट्टर मंचों' से आप जुड़े हैं, उसका भी ब्योरा हमारे पास है। वास्तव में, इन जुड़वां संदेशों से डर बैठाने का मनोवैज्ञानिक दबाव आगे जोर पकड़ेगा और अधिकांश शिक्षक 'बचकर रहो' वाला रवैया अपनाएंगे या कूटनीति से काम लेंगे या फिर अपनी खामोशी से प्रशासन को और ज्यादा निरंकुश बनने को उकसाएंगे। जब मैंने 1990 के दशक में अध्यापन का पेशा चुना था, तो मैं विश्वविद्यालय रूपी संस्था के उच्च आदर्शों से प्रेरित था। एक विश्वविद्यालय, जैसा कि मैं सोचता हूं, विद्यार्थियों और अध्यापकों का एक जीवंत और जिंदादिल समुदाय होना चाहिए, जहां दोनों साथ-साथ चलें; 'अध्यापन-शास्त्र' के मुताबिक सीखें और भूल सुधार करें; जहां अर्थपूर्ण अनुसंधान होता हो, जहां पर संस्कृति, राजनीति पर निरंतर बहस और संवाद चलता रहे, और एक न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए नाना प्रकार के विरोध करने के तौर-तरीकों पर विचार हो। शिक्षक मुक्त विचारों और आज़ादी भरे माहौल में फल-फूल सकें। मैं जानता हूं मेरे इस आदर्श का मजाक उड़ाया जाएगा और इन दिनों विश्वविद्यालयों के कर्ता-धर्ता बने बैठे 'तकनीकी-प्रशासक' इसको बकवास ठहराएंगे। कारण यह कि नव-उदारवाद का औजारी तर्क विश्वविद्यालयों को राजनीतिहीन बनाना चाहता है, बल्कि वे इन्हें एक ऐसे ब्रांड में तब्दील करना चाहते हैं, जो बाजार चालित 'उत्पादकता एवं दक्षता' वाले मंत्र से चले, छात्र एक 'उपभोक्ता' तो अध्यापक महज 'सेवा-प्रदाता' हो। इन परिस्थितियों में, अध्यापन-शास्त्र की उस भावना, जिसकी परिकल्पना पाओलो फ्रेरे और बेल हुक्स ने की थी, को बनाए रखना उत्तरोत्तर मुश्किल होता जाएगा। इसकी बजाय, उनके लिए एक अध्यापक या प्रोफेसर को 'मूल्य-निर्लेप' होना चाहिए। राजनीति उनके लिए भटकाव है, वे केवल शोधपत्र प्रकाशित करें, अपने दिमाग में बस 'प्रशस्ति पत्र सूची' और इसके 'प्रभाव अवयव' का गणित पाले रखें और विश्वविद्यालय की 'रैंकिंग' बढ़ाएं! वहीं विद्यार्थियों को केवल अपने 'उपयोगिता उद्देश्यों' के बारे में सोचना चाहिए। शायद, एसएयू भी इसी तर्क पर चल रहा है। कोई हैरानी नहीं कि जिन छात्रों ने आवाज़ उठाई थी उन्हें 'शरारती तत्व' की तरह लिया जा रहा है और चार शिक्षकों का निलंबन संकेत है कि यदि आप 'गड़बड़ी फैलाने' वाले विद्यार्थियों के साथ नज़र आए, तो मुश्किल में पड़ना तय है। एक प्रकार से, शिक्षकों का निलंबन अलहदा करके नहीं देखा जा सकता। इससे आगे, जैसा कि भारत एक प्रकार से निर्वाचित-अधिनायकवाद की ओर अग्रसर है, हमें 'बुद्धिजीवी-घृणा' वायरस से पैदा हुआ नए किस्म का संकट देखने को मिल रहा है। आप न तो आलोचनात्मक हो सकते हैं। न ही प्रशासनिक व्यवस्था से सवाल पूछ सकते हैं। विकास, राष्ट्रवाद और धर्म को लेकर जो घुट्टी बलाते पिलाई जाए, स्वीकार करें। आश्चर्य नहीं कि असहमति का हल्का-सा संकेत मिलने पर उसे आपराधिक माना जा रहा है! भारत में सब जगह विश्वविद्यालय प्रशासन जरूरत से ज्यादा सतर्क हो रहे हैं, किसी किस्म की वह गतिविधि, चाहे यह 'अध्यापन-शास्त्र सम्मत' क्यों न हो, कोई सांस्कृतिक या राजनीतिक गतिविधि, जो सत्तारूढ़ निजाम से सवाल करे या आलोचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने वाली हो या फिर एकदम नयी जीवन-शैली हो, की इजाज़त नहीं है। मुझे लगता था कि एसएयू- जो कि दक्षेस राष्ट्रों की संयुक्त पहल है- गुणात्मक रूप से अलग किस्म की होगी। वास्तव में, मैं वहां कई अवसरों पर गया हूं, वहां बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान और भारत के युवा विद्यार्थियों से हुआ संवाद बहुत संतोषप्रद रहा। खूब पढ़े और युवा अध्यापकों की उपस्थिति देखकर हर्ष हुआ। क्या एसएयू अपनी सार्वभौमिकता खोता जा रहा है, जो सरकार से मिले संकेतों पर किसी अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों की भांति अमल करे। क्या वहां केवल सुविधाभोगी और गैर-राजनीतिक एवं व्यवसाय केंद्रित अध्यापक होने चाहिए या फिर परम राष्ट्रभक्त? निलंबित अध्यापकों के प्रति मेरी दिली सहानुभूति है। आगे चिंता यह है कि मोबाइल फोनधारी और सिर्फ अपनी धुन में अग्रसर भारतीय मध्य-वर्ग कोई जोखिम उठाने से झिझक रहा है और अपनी संकुचित चिंताओं में जीने को तरजीह दे रहा है- मेरी नौकरी, मेरा करिअर, मेरी सुरक्षा, मेरा परिवार, मेरी कार, मेरा अपार्टमेंट, मेरी किस्तें- ऐसे में गुंजाइश कम है कि निलंबित चार पीड़ितों को शेष शिक्षक बिरादरी से ठोस और टिकाऊ भावनात्मक एवं राजनीतिक सहायता मिल पाए। अपनी एकांगी लड़ाई में वे नुकसान भुगतेंगे- आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक। हालांकि, मुझे यकीन है कि जीवन में आया यह मोड़ उन्हें अधिक दृढ़-निश्चयी करेगा, अपने तर्क पर अड़े रहने की मजबूती देगा और निराशा भरे इस समय से उबरने वाला योद्धा बनने में मददगार होगा।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

धर्म

उच्चतम प्रार्थना

संत राजिन्दर

प्रार्थना परमात्मा से बात करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है। लोग कई प्रकार की प्रार्थनाएं करते हैं। कुछ लोग संसार की वस्तुओं को पाने के लिए प्रार्थना करते हैं। उदाहरण के लिए, एक बढ़िया नौकरी मिले। नया घर या नई कार मिले। कुछ लोग अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं कि वे और उनका परिवार शारीरिक रूप से स्वस्थ हो जाएं। कुछ अपने निजी संबंधों को बेहतर बनाने की प्रार्थना करते हैं। ज्यादातार लोग संसार की वस्तुओं के लिए प्रार्थना करते हैं। आमतौर पर जब हम प्रार्थना करते हैं, तब प्रभु से पूछते हैं कि क्या वे हमें वह सब देंगे? जब हम प्रार्थना करते हैं, हम हमेशा उन वस्तुओं को पाने की कोशिश करते हैं, जो हमें लगता है कि हमें मदद करेंगी। इस समय हमारे जीवन की सबसे बड़ी तस्वीर के बारे में हमारी जानकारी सीमित है। हमें लगता है, हम जो मांग रहे हैं वह हमें तमाम उम्र मदद करेगा परन्तु हो सकता है वह हमारे जीवन भर के लिए सही योजना न हो। जब हम प्रार्थना करते हैं और मनवांछित चीज पा भी लेते हैं, किंतु कुछ समय बाद देखते हैं कि वह अधिक समय के लिए हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए प्रार्थना करने का सही तरीका है कि प्रभु जो चाहे, वही हमारे जीवन में हो। प्रभु प्रत्येक और हर चीज जो हमारे साथ हो रही है, से वाकिफ हैं। प्रभु जानते हैं कि हमारे लिए क्या बेहतर है। उदाहरण के लिए हम सोच सकते हैं कि हमारे लिए एक करोड़ की लाटरी जीतना बेहतर हो सकता है यद्यपि थोड़े समय पश्चात हम यह अनुभव करते हैं कि रुपये मिलने के बाद दो अलग चीजों हो सकती हैं। हो सकता है कि इतनी बड़ी धनराशि मिलने का बाद हम रंगरलियों में खो जाएं और प्रभु को भूल जाएं अथवा हमारे सभी दोस्त उसका एक हिस्सा चाहें और अगर हम उन्हें ना करेंगे तब अपने दोस्तों को खो देंगे और हमारी जिंदगी तनहा हो जाएगी। हम अपने सीमित नजरिये के अनुसार जो हमारे लिए अच्छा है, मांगते हैं, किंतु अगर हम प्रभु के ऊपर छोड़ दें कि वे हमें वह दें, जो हमारे लिए बेहतर हो तब हम सच्ची प्रार्थना कर रहे हैं। प्रार्थना का उच्चतम प्रकार है, प्रभु को जानना और उससे एकमेक होना। चाहे अन्ये प्रार्थनाएं सच्ची हो सकती हैं, किंतु वे अक्सर कुछ प्राप्त करने के लिए की जाती हैं, जो हमारे भौतिक अस्तित्व को कायम रखने में सहायक होती हैं।

एक विश्वविद्यालय, जैसा कि मैं सोचता हूं, विद्यार्थियों और अध्यापकों का एक जीवंत और जिंदादिल समुदाय होना चाहिए, जहां दोनों साथ-साथ चलें; 'अध्यापन-शास्त्र' के मुताबिक सीखें और भूल सुधार करें; जहां अर्थपूर्ण अनुसंधान होता हो, जहां पर संस्कृति, राजनीति पर निरंतर बहस और संवाद चलता रहे, और एक न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए नाना प्रकार के विरोध करने के तौर-तरीकों पर विचार हो। शिक्षक मुक्त विचारों और आज़ादी भरे माहौल में फल-फूल सकें।

विचार मंथन

लेखक - सनत जैन

सर्वोच्च अदालत के अधिकार कम करने पर इजराइल में विद्रोह

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को न्यायिक सुधार बिल संसद से पास करा लिया है। विपक्ष ने इस बिल का संसद में बहिष्कार किया। सत्ता पक्ष ने मामूली बहुमत से बिल पास करा लिया। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। इस बिल के पास होने के बाद पिछले 7 महीने से इजराइल में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। विरोध प्रदर्शन अब काफी उग्र हो गया है। जैसे ही संसद से यह बिल पास हुआ। उसके तुरंत बाद इजराइल की मेडिकल एसोसिएशन ने 24 घंटे की हड़ताल कर अपना विरोध जताया। सेना के रिजर्व सैनिकों ने ड्यूटी पर आने से इंकार कर दिया। इजराइल में डॉक्टरों और इंटर्न की हड़ताल के बाद इजराइली सेना के 10,000 से ज्यादा रिजर्व डॉक्टरों ने भी ड्यूटी का बहिष्कार कर दिया है। इजराइली वायु सेना के 200 से ज्यादा पायलटों ने सरकार को इस्तीफे की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि हम तानाशाह के लिए काम नहीं कर सकते हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऊपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं। 2016 से इसकी जांच चल रही है। उससे बचने के लिए सरकार न्यायिक सुधार बिल लेकर आई। जिसमें सरकार को सर्वोच्चता पर रखा है। अदालतों के अधिकार कम कर दिए गए हैं। 2018 से लगातार जांच में व्यवधान पैदा किया जा रहा है। उनके ऊपर चार प्रकरणों में जांच हो रही है। जिसमें से एक प्रकरण में वह निर्दोष साबित हुए हैं। नेतन्याहू के ऊपर हॉलीवुड के प्रोड्यूसर को 2। 45 करोड रुपए के गिफ्ट लेकर फायदा पहुंचाने का आरोप है। इसी तरह से एक मीडिया समूह को फायदा पहुंचाने, कारोबारियों से महंगी गिफ्ट लेकर, उन्हें फायदा पहुंचाने तथा 2012 से 2017 के बीच में इजराइल के टेलीकॉम दिग्गज इलोविच और उनकी पत्नी की मदद करने और भारी फायदा पहुंचाने का आरोप नेतन्याहू के ऊपर है। जिसकी जांच पुलिस कर रही थी। भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू न्यायपालिका के अधिकार कम करने में सफल हो गए हैं। अमेरिका ने नेतन्याहू को चेतावनी दी थी, कि इजरायल की संसद में जो भी कानून पास करे, यदि वह जनमत के विरोध में होंगे, तो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसका बहुत बड़ा असर होगा। अमेरिका और इजरायल के संबंधों में भी इसका असर पड़ेगा। बहुसंख्यक इजरायली नागरिक अमेरिका को अपना सबसे बड़ा दोस्त मानते हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिका का मशवरा भी नहीं माना। उल्टे प्रधानमंत्री ने शांति प्रक्रिया को भंग करके टू स्टेट समाधान के रोड मैप को भी नकार दिया है। जिसके कारण स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। इजराइल में गृह युद्ध की स्थिति बनना शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की कैबिनेट में बैठे यहूदी प्रभुत्ववादियों के लिए वेस्ट बैंक के इजराइल में विलय करने से पहले, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार भी बाधित करना जरूरी थे। चूँकी अब कानून संसद से पास हो गया है। इसके बाद से इजरायल के आंतरिक हालत बहुत खराब हैं। इसके साथ ही फलस्तीनी,जॉर्डन में विस्थापित होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। ,आर्थिक और सामरिक दोनों ही स्थिति में इजराइल कमजोर होगा। संसद से कानून तो पास हो गया है। लेकिन इसके बाद से ही स्वास्थ्य कर्मी, पुलिस, सेना, वायुसेना के पायलट,अन्य संस्थाएं तथा लाखों की संख्या में जनता सरकार के विरोध में आकर सड़कों में आ गई है। 50 साल बाद इजराइल का लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। 1973 में मिस्र और सीरिया की फौजों ने जब इजरायल पर हमला बोला था। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने बड़े पैमाने पर इजराइल को हथियार उपलब्ध कराते हुए भारी सहायता दी थी। सारी दुनिया में एकमात्र यहूदी राष्ट्र को बचाने का काम अमेरिका ने किया था। लेकिन प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अमेरिका से ही भिढ़ने की मुद्रा में आ गए हैं। जिसके कारण इजराइल का भविष्य तानाशाही की ओर मुड़ चला है। इसराइल में लोकतंत्र समाप्ति की ओर है। जनता लोकतंत्र कायम करने एवं प्रधान नेतन्याहू की तानाशाही का विरोध करने पिछले 7 माह से भारी प्रदर्शन और हड़ताल कर रही है।

चुनौती

विद्यार्थी जीवन सपनों को उड़ान देता है

लेखक - विजय गर्ग

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन का स्वर्ण युग कहना गलत नहीं होगा। इस दौरान की गई मेहनत ही व्यक्ति के भावी जीवन की दिशा तय करती है। जो लोग छात्र जीवन में कड़ी मेहनत करते हैं वे जीवन में सफल मुकाम तक पहुंचने में सफल होते हैं, जबकि जो छात्र लापरवाह होते हैं वे जीवन भर भटकते रहते हैं। विद्यार्थी जीवन की सफलता केवल विद्यार्थी की कड़ी मेहनत पर निर्भर नहीं करती बल्कि इस दौरान प्राप्त मार्गदर्शन और अवसर भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।जिन विद्यार्थियों को योग्य शिक्षक मिलते हैं वे विद्यार्थी स्वतः ही परिश्रमी बन जाते हैं। शिक्षक की प्रेरणा और मार्गदर्शन उनके लिए मार्गदर्शक बनता है। उसी प्रकार विद्यार्थी जीवन में सपनों की उड़ान भरने का अवसर भी विद्यार्थी के व्यक्तित्व पर सीधा प्रभाव डालता है। सिर्फ किताबी ज्ञान ही काफी नहीं है अगर आप घंटों लैपटॉप पर काम करते हैं तो हो सकती है ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या, बचने के लिए खाएं ये चीजें विद्यार्थी जीवन में सफलता के लिए केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। इस अवधि में प्रैक्टिकल पर प्रयोग करेंज्ञान के अवसर विद्यार्थी की सीखने की प्रक्रिया को कई गुना तेज कर देते हैं और उसके व्यक्तित्व विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। पुस्तक रूप में पढ़ाया गया ज्ञान विद्यार्थी के लिए अधूरे ज्ञान के समान होता है। यदि विद्यार्थी को उस ज्ञान को व्यवहारिक रूप में प्रयोग करने तथा प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिले तो विद्यार्थी का ज्ञान स्थाई हो जाता है। विद्यार्थी की कल्पना हकीकत में बदल जाती है। छात्र यह देखकर हैरान रह जाता है कि वह हकीकत में क्या सोच सकता था। उसे ऐसा लगता है कि उसकाकिताबों में दर्ज सारी जानकारी भी वास्तविक है. सरकार की ओर से प्रयास शुरू कर दिये गये हैं सरकारी स्कूलों के छात्र अक्सर शैक्षिक यात्राओं के मामले में पीछे रह जाते हैं क्योंकि सरकारी स्कूलों के निर्णय स्थानीय स्तर पर नहीं बल्कि राज्य स्तर पर सरकार द्वारा लिए जाते हैं। निजी संस्थान अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं और वे अक्सर अपने छात्रों के लिए ऐसे प्रयास करते रहते हैं। सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को रचनात्मक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा कई पहल शुरू की गई हैं। शिक्षा विभागसरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मिल रहे अवसर मिसाल बन रहे हैं। विभाग विद्यार्थियों को उन स्थानों पर ले जाकर यथार्थवादी ज्ञान प्रदान कर रहा है, जिसका अवसर शायद उनके शिक्षकों को नहीं मिला होगा। विद्यार्थियों को पंजाब विधानसभा के बारे में किताबों में दी गई जानकारी ही पढ़ाई जाती है, लेकिन मौजूदा सरकार ने विधानसभा के चल रहे सत्र के दौरान सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को विधानसभा में ले जाकर उनके ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास किया है। चंद्रयान-3 कालॉन्च को करीब से देखने का मौका विज्ञान विषय में स्कूली विद्यार्थियों की रुचि दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं में विज्ञान और अन्य विषयों के दाखिले में अंतर इस बात को साबित करने के लिए काफी है। विज्ञान विषय में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने तथा विज्ञान विषय के ज्ञान को यथार्थ रूप में विद्यार्थियों को दिखाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भारत के चंद्रयान के प्रक्षेपण को देखने का अवसर प्रदान किया। -3 करीब.. सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को विज्ञान क्षेत्रइसने देश के गौरवपूर्ण क्षणों का आनंद लेने और जानने का अवसर प्रदान किया। यह अवसर स्कूल शिक्षा विभाग के इतिहास में एक स्वर्णिम पृष्ठ बन गया है। चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग देखने के बाद इन छात्रों का स्वागत खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किया और छात्रों के अनुभव भी जाने. वहां के शीर्ष वैज्ञानिकों से मुलाकात से छात्रों के मन में विज्ञान के क्षेत्र में जाने की इच्छा जरूर पैदा होगी। शैक्षिक यात्राओं का महत्व विद्यार्थी के पुस्तकीय स्वरूप को सैद्धांतिक ज्ञान में परिवर्तित करने के लिए शैक्षिक यात्राएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहइसके महत्व को देखते हुए शिक्षण संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों के लिए धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की शैक्षिक यात्राएं आयोजित की जाती हैं। शैक्षिक यात्राओं के दौरान छात्रों को यात्रा शुरू होने से पहले उस स्थान या घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देना बहुत जरूरी है। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में सफलता मिलेगी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान देने के ये प्रयास अवश्य ही उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का कारण बनेंगे। विद्यार्थियों द्वारा काल्पनिक रूप में पुस्तकप्राप्त किया गया ज्ञान सदैव उनकी स्मृतियों में रहेगा। प्रदेश के युवा निश्चित ही ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

(सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

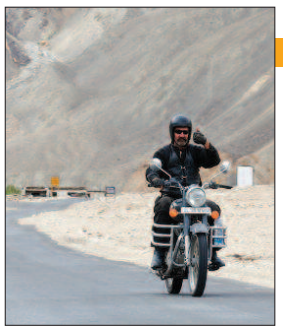

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मजा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सिंतबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षों तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षों से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुशिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शों को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिमा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की ट्रांसमिशन टॉवर भी है।

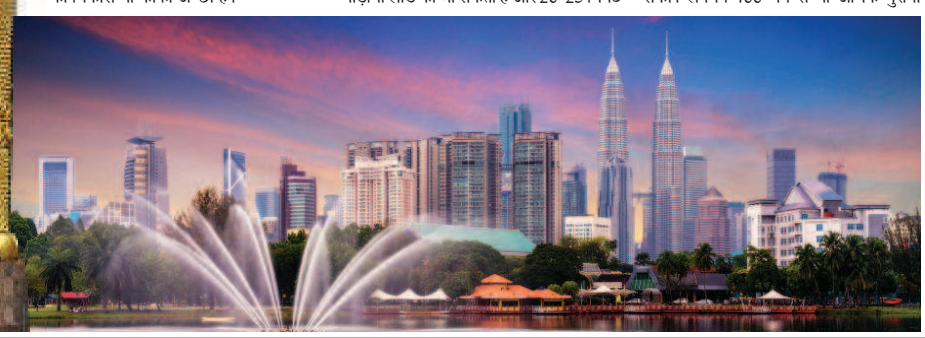

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेल बाजार में बुधवार को सोने और चांदी में तेजी रही। सोने की कीमत 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गयी हैं। वहीं चांदी की कीमतें 77 हजार रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 150 रुपये ऊपर आकर 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 60,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।दूसरी ओर चांदी की कीमतें भी 300 रुपये बढ़कर 77,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। बाजार जानकारों के अनुसार डॉलर इंडेक्स 100.75 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद के मुकाबले 0.19 फीसदी कम था। इससे सोने की कीमतों को बढ़ावा देने में सहायता मिली।''

टेस्ला के अधिकारी वाणिज्य मंत्री से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली । कथित तौर पर एलन मस्क-टेस्ला के प्रतिनिधियों के इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मिलने की उम्मीद है, ताकि 20 लाख रुपए की इलेक्ट्रिक कार बनाने की सुविधा तैयार की जा सके, क्योंकि चीन नई दिल्ली में 1 अरब डॉलर की लागत से संयंत्र बनाने के लिए बीवाईडी समूह की बोली को खारिज किए जाने से नाराज है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि गोयल के साथ उच्चतम स्तर की बैठक होगी, क्योंकि मस्क ने पिछले महीने अमेका में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और कहा था कि वह जल्द से जल्द टेस्ला को भारत लाने की योजना बना रहे हैं। टेस्ला ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला ने घरेलू बिक्री और निर्यात के लिए इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए भारत में एक कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इस बीच, जैसा कि सरकार मस्क की टेस्ला का स्वागत करने के लिए तैयार है, केंद्र ने कथित तौर पर देश में 1 अरब डॉलर की चार-पहिया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की चीनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की दिग्गज कंपनी बीवाईडी मोटर्स की योजना को खारिज कर दिया है।

पेटीएम ने सस्ते भाव पर टमाटर बेचने ओएनडीसी और एनसीसीएफ से की साझेदारी

नई दिल्ली । पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पीईपीएल) ने कहा कि उसने दिल्ली-एनसीआर में 70 रुपए ` किला टमाटर बेचने ओएनडीसी और एनसीसीएफ के साथ साझेदारी की है। केंद्र सरकार की ओर से सहकारी समितियां राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और नेफेड पहले से ही दिल्ली-एनसीआर और कुछ चुनिंदा शहरों में मोबाइल वैन के माध्यम से खुदरा उपभोक्ताओं को 70 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेच रही हैं। पीईपीएल ने कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में पेटीएम ओएनडीसी पर उपयोगकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से 70 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेचेगी। इसके साथ उपयोगकर्ता पेटीएम ऐप पर ओएनडीसी के माध्यम से मुफ्त डिलिवरी के साथ केवल 140 रुपये में प्रति सप्ताह पर दो किलोग्राम टमाटर खरीद सकते हैं। बयान में कहा गया है कि इस कदम से उपयोगकर्ताओं को फायदा होगा क्योंकि कुछ शहरों में टमाटर की खुदरा कीमतें 200 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा` कि टमाटर जैसी रसोई की आवश्यक चीज की बढ़ती कीमतें देश भर में कई लोगों को प्रभावित कर रही हैं। एनसीसीएफ और ओएनडीसी के बीच इस सहयोग से दिल्ली-एनसीआर में हमारे उपयोगकर्ता अब आसानी से सस्ती कीमतों पर टमाटर प्राप्त कर सकते हैं। सकती है और यहां तक कि बढ़ भी सकती है।

रियलमी सी 51 को ताइवान में लॉन्च

- भारत में धूम मचाएगा ये फोन

नई दिल्ली । रियलमी सी 51 को ताइवान में लॉन्च किया गया है। यह पफोन अब भारत में भी धूम मचाने के लिए तैयार है। रियलमी सी 51 के भारत में लान्च होने से पहले ही इसके फीचर्स सामने आ गए हैं। यह फोन दो रंगों कार्बन ब्लैक और मिंट ग्रीन में मिलने वाला है। यह 90 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.7-इंच डिस्प्ले और 33डब्ल्यू सुपर वीओओसी चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी से लैस है। फोन में 50 मेगा पिक्सल का प्राइमरी कैमरा है। यह ऑक्टा-कोर प्रोसेसर से लैस है। ताइवान में यह फोन 25 जुलाई से सेल के लिए पेश हो जाएगा। वहीं, भारत में कब लॉन्च होगा, इसकी जानकारी सामने आना बाकी है। उम्मीद है कि यह फोन जल्द इंडियन मार्केट में दिखाई देगा। वहीं अगर कीमत की बात करें तो ताइवान में 3,990 टीडब्ल्यूडी यानी कि लगभग 10,400 रुपए में बिकने वाला है। ऐसे में बहुत ही कम कीमत के साथ यह फोन ग्राहकों को अपनी ओर खींचने वाला है। भारत में भी इसकी कीमत 10 से 11 हजार के बीच हो सकती है। वहीं अगर अन्य फीचर्स की बात करें तो फोन में साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर, 3.5 एमएम ऑडियो जैक, बॉटम-पोर्टेड स्पीकर है। इसमें डुअल 4जी वोल्ट, वाई-फाई 802.11 एसी (2.4 जीएचझेड + 5जीएचझेड), ब्लूटूथ 5.=0, जीपीएस + ग्लोनास और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट है। टिप्स्टर पारस गुगलानी ने इसके सभी स्पेसिफिकेशंस का जिक्र करते हुए ट्विटर पर कहा कि रियलमी सी51 जल्द भारत में लॉन्च होने वाला है। रियलमी सी51 6.7-इंच एचडी (720 एक्स1,600) डिस्प्ले वाला है जिसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट, 180एचझेडटच सपोर्टिंग रेट और 560 नीटस पीक ब्राइटनेस है। ऑक्टा-कोर यूनिसोक टी 612 एसओसी के साथ 4जीबी रैम और 64जीबी इनबिल्ट स्टोरेज दी गई है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.06 पर बंद हुआ। ही कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे टूटकर 81.95 प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कच्चे तेल के दाम 83 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं। इसके अलावा फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.89 पर खुला और फिर बढ़त के साथ 81.87 के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद यह टूटकर 81.96 प्रति डॉलर के भाव पर आ गया। बाद में यह 81.95 प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव की तुलना में सात पैसे की गिरावट है।

इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमानः आईएमएफ

मुंबई । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह अप्रैल में जताये गये अनुमान के मुकाबले 0.2 प्रतिशत अधिक है। आईएमएफ ने कहा कि ताजा अनुमान मजबूत घरेलू निवेश के परिणामस्वरूप 2022 की चौथी तिमाही में उम्मीद से कहीं बेहतर आर्थिक वृद्धि की गति आगे भी जारी रहने का संकेत देता है। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि वैश्विक स्तर पर वृद्धि दर 2022 के 3.5 प्रतिशत के अनुमान के मुकाबले 2023 और 2024 में कम होकर तीन प्रतिशत रहने की संभावना है। हालांकि, 2023 के लिए अनुमान इस साल अप्रैल में जताये गये अनुमान से कुछ बेहतर है लेकिन ऐतिहासिक मानदंडों के आधार पर वृद्धि दर कमजोर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये केंद्रीय बैंक के नीतिगत दर में वृद्धि से आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। वैश्विक स्तर पर खुदरा मुद्रास्फीति 2022 के 8.7 प्रतिशत से घटकर 2023 में 6.8 प्रतिशत और 2024 में 5.2 प्रतिशत पर आने की संभावना है। मुद्राकोष ने कहा कि अमेरिका में कर्ज सीमा को लेकर गतिरोध के हाल में समाधान और इस साल की शुरुआत में अमेरिका तथा स्विट्जरलैंड में कुछ बैंकों के विफल होने के बाद उद्योग में उथल-पुथल रोकने के लिये अधिकारियों के कड़े कदम से वित्तीय क्षेत्र में उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हुआ है। इससे परिदृश्य को लेकर जोखिम कुछ कम हुआ है। हालांकि, वैश्विक वृद्धि को लेकर जोखिम अभी बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर और झटके आते हैं, तो मुद्रास्फीति ऊंची बनी रह सकती है और यहां तक कि बढ़ भी सकती है।

नया मोबाइल वेलनेस ऐप च्इनर्जीज़ अब ऐप्पल स्टोर और गूगल प्ले पर प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध

वेलनेस उद्योग में नवीनता लाने वाले प्रमुख संस्थान इंस्टीट्यूट फॉर मेडिटेशन एंड इनर हार्मनी (आईएमआईएच) को यह घोषणा करते हुए बड़ी ही खुशी हो रही है कि उसका नया मोबाइल वेलनेस ऐप इनर्जी अब ऐप्पल स्टोर और गूगल प्ले पर प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। इनर्जी ऐप एक ऐसा ऑल-इन-वन ज़रिया है जो लोगों को अपने अंदर की इनर्जी का उपयोग करके अपने स्वास्थ्य, खुशी और वेलनेस की जिम्मदारी लेने के लिए सशक्त बनाता है। यह एक अद्भुत और सहज ज्ञान से युक्त एक ऐसा ऐप है जो उपयोगकताओं को चिकित्सा, मनोविज्ञान, खान-पान, फिटनेस और ध्यान-अभ्यास के विशेषज्ञों के अनुभव और रिसर्च द्वारा स्वीकृत 1500 से भी अधिक जानकारी तुरंत उपलब्ध कराता है।

इनर्जी ऐप की प्रमुख विशेषताएं :

1.पर्सनल वेलनेस कार्यक्रम - ये उपयोगकताओं को ध्यान-अभ्यास, फिज़िकल फिटनेस, खान-पान, नींद, खुशी, मानसिक और भावनात्मक वेलनेस, परिवार, दोस्तों और सामाजिक संबंध आदि विषयों पर संपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराता है ताकि वे अपना चहुंमुखी विकास कर सकें। इसके अलावा इसमें और भी कई विशेषताएं हैं जैसे कि अपनी जीवन शैली पर नज़र रखना, किसी नियम को अपने जीवन में कैसे लागू करें, अपनी रोज़मर्रा के जीवन में कुछ जोड़ना या घटाना और अपनी मनोदशा को जांचना जैसी सुविधाएं शामिल हैं ताकि उपयोगकर्ता अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित कर सकें।

2.सभी के लिए अनुकूल फिटनेस कार्यक्रम - यह उपयोगकताओं को उनके व्यायाम और कसरत की रूपरेखा के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ रखने के खास लक्ष्यों और फिटनेस को उनके स्तर के अनुसार पेश करता है। इसके द्वारा चाहे वे शुरूआती दौर में हों या उन्हें कई वर्षों का अनुभव हो, वे योग, डांस, कार्डियो, स्ट्रेंचिंग आदि कसरतों में उच्च क्वालिटी के मार्गदर्शन के द्वारा इनमें और सुधार ला सकते हैं।

3.आहार और पोषण - इसके अलावा यह खान-पान के द्वारा उपयोगकताओं को उनके संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए ढेर सारी जानकारी प्रदान करता है। इसमें वे पौधों से मिलने वाले स्वस्थ और स्वादिष्ट व्यंजन, पोषण संबंधी सभी जानकारी, विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियों और मसालों के लाभ, खाना-पकाने की तकनीक, खाने की सूची तैयार करना जैसे अन्य विषयों पर रोचक विडियोज़ भी देख सकते हैं।

4.ध्यान-अभ्यास टूल्स के रूप में - इसमें उपयोगकताओं को तनाव कम करने, अपने फोकस में सुधार लाने और मानसिक स्तर पर स्पष्टता प्राप्त करने में मदद करने के लिए विभिन्न प्रकार के ध्यान-अभ्यास तरीकों और उनके उपयोग के बारे में जानकारी उपलब्ध है। गाईडिड मेडिटेशन से लेकर सांस लेने की तकनीक के द्वारा वे अपने दैनिक जीवन में शांति और सुकून प्राप्त कर सकते हैं।

5.परिवार और उनके साथ संबंध - यह माता-पिता, बच्चों, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ हमारे अच्छे संबंधों को विकसित करने पर ठोस लेकिन व्यावहारिक मार्गदर्शन देता है। इसमें बच्चों और पूरे परिवार के लिए कई प्रकार की स्वास्थवर्धक और मनोरंजन से भरपूर गतिविधियां भी देखने को मिलेंगी।

6.स्वस्थ समाज का निर्माण - ये उपयोगकताओं को सामाजिक सेवा में शामिल होने, अपने अनुभव एक-दूसरे के साथ बांटने और उन्हें प्रेरित करने के अनेक प्रकार के अवसरं पर उन्हें प्रेरणादायक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। सेवा और सामाजिक संबंध के द्वारा वे प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि वे स्वयं एक खुशहाल और स्वस्थ विश्व का निर्माण करने में भागीदार हैं।

इंस्टीट्यूट फोर मेडिटेशन एंड इनर हार्मनी में उत्पाद और सेवाओं के डायरेक्टर केविन पोर्टर ने कहा कि, श्लोगों की संपूर्ण वेलनेस के लिए उनके जीवन में बदलाव कर देने वाले इस ऐप की घोषणा करते हुए हमें बहुत ही खुशी महसूस हो रही है। हमारे बीटा प्रोग्राम की प्रतिक्रिया बेहद सफल रही है। हम उस अनुभव को बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया के सामने लाने के लिए बहुत रोमांचित हैं।

बायजू ने एनसीआर-बंगलूरू में बंद किया कार्यालय

- जून में जमा कराया सिर्फ 780 कर्मचारियों का पीएफ

नई दिल्ली ।

एडटेक कंपनी बायजू 2,000 कर्मचारियों को निकालने के बाद अब कार्यालय भी बंद कर रही है। इसने एनसीआर व बंगलूरू के कुछ कार्यालय बंद कर दिए हैं। नोएडा कार्यालय भी इसी माह बंद हो सकता है। उधर बायजू ने सिर्फ 738 कर्मचारियों का ही जून में 14.6 लाख रुपए का पीएफ भुगतान किया है। एक कर्मचारी ने बताया` कि कंपनी ने गुरुग्राम सेक्टर 44 के कार्यालय को बंद कर दिया है। यहां के कर्मचारियों को बंगलूरू या कंपनी के ट्यूशन सेंटर (बीटीसी) में जाने को कहा गया है। बीटीसी के 302 केंद्र 143 इलाकों में हैं। एक अन्य कर्मचारी ने कहा कि कंपनी बंगलूरू के कल्याणी टेक पार्क में स्थित कार्यालय भी बेच रही है। प्रेस्टीज टेक पार्क परिसर में कार्यालय की नौ मंजिलों में से दो को खाली किया जा रहा है। पूरे देश में इसके पास कार्यालय की 30 लाख वर्ग फुट जगह है। बायजू के एक निवेशक ने कहा कि कंपनी ने रिपोर्टिंग और गवर्नेंस को पूरी तरह विकसित नहीं किया है। उसके पूर्व निदेशक के बार-बार प्रयासों के बावजूद उसने सलाह की उपेक्षा की। इस साल बायजू का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से घटाकर 5.1 अरब डॉलर कर दिया है। उन्होंने कहा कि उसके निदेशक ने पिछले महीने बायजू के बोर्ड से हटने का निर्णय इसलिए किया, क्योंकि वह कंपनी व उसके हितधारकों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य को पूरा करने में असमर्थ थे। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि बायजू ने अप्रैल-मई का पीएफ जमा नहीं कराया। जनवरी, फरवरी और मार्च के लिए कंपनी ने सिर्फ 10,000-13,000 कर्मचारियों का ही पीएफ जमा कराया। 27 जून को ईपीएफओ को भेजे गए मेल में बायजू ने कहा कि कंपनी ने मई तक पीएफ भुगतान का निपटान कर दिया है।

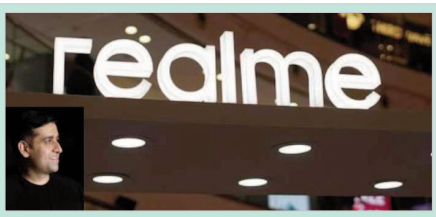

रियलमी के निदेशक सहित 12 लोगों ने दिया इस्तीफा!

नई दिल्ली । स्मार्टफोन विनिर्माता रियलमी इंडिया के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से हित लगभग 12 लोगों ने इस्तीफा दे दिया है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि रियलमी से इस्तीफा देने वाले सभी लोग कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ दूसरी कंपनी से जुड़ने वाले हैं। वह हाल ही में ऑनर टेक कंपनी का हिस्सा बने हैं। एक सूत्र ने कहा कि रियलमी इंडिया में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों ने इस्तीफा दिए हैं जिनमें कुछ निदेशक भी शामिल हैं। सूत्रों के मुतो बिक ये लोग ऑनर टेक कंपनी में माधव सेठ के साथ जुड़ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस्तीफा देने वाले लोगों में रियलमी के पूर्व निदेशक (बिक्री) दीपेश पुनमिया भी शामिल हैं। पुनमिया ऑनर टेक में सहायक उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इस बारे में टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का रियलमी की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है।

सभी खाद्य पदार्थों की कीमतों पर सरकार की नजरः केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि सरकार सभी आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों के साथ-साथ मांग-आपूर्ति की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों को संतुलित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीमतों और उपलब्धता की स्थिति की नियमित निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। चौधरी ने खाद्य मुद्रास्फीति और गैर-बासमती सफेद चावल पर हाल के निर्यात प्रतिबंध के बारे में कहा` कि सरकार खाद्य पदार्थों की कीमतों और उपलब्धता की निगरानी कर रही है। सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उपाय करती है। वह भारतीय डाक के सहयोग से मोटे अनाज पर आईटीसी के डाक टिकट की पेशकश करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मांग-आपूर्ति की स्थिति और खुदरा कीमत के आधार पर सरकार निर्यात शुल्क लगाने या निर्यात रोकने का फैसला करती है। मंत्री ने कहा कि देश में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है। सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हित को देखती है और संतुलन बनाने की कोशिश करती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 4.49 प्रतिशत थी, जो मई के 2.96 प्रतिशत से अधिक है! खाद्य वस्तुओं का सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) में लगभग आधा हिस्सा होता है! आंकड़ों से पता चला कि मसालों के मामले में मूल्यवृद्धि की वार्षिक दर 19.19 प्रतिशत, अनाज और उत्पादों में 12.71 प्रतिशत, 'दालों और उत्पादों' में 10.53 प्रतिशत और अंडे में सात प्रतिशत थी! सालाना आधार पर जून में फल भी थोड़े महंगे रहे!

इस साल एक लाख करोड़ का परिचालन लाभ कमा सकती हैं पेट्रोलियम कंपनियां: रिपोर्ट

मुंबई ।

घरेलू बाजार में अे धिक खुदरा मूल्य और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल के भाव कमोबेश निचले स्तर पर रहने से पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को चालू वित्त वर्ष में लगभग एक लाख करोड़ रुपए का कर-पूर्व लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक कच्चे तेल की कीमत एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक नीचे आ चुकी है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों ने इस दौरान दाम नहीं घटाए हैं। तेल कीमतों में मई, 2022 से कोई बदलाव नहीं हुआ है। क्रिसिल ने बुधवार को जारी एक नोट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) एक लाख करोड़ रुपए का परिचालन लाभ कमा सकती हैं। वित्त वर्ष 2016-17 से 2021-22 के दौरान पेट्रोलियम कंपनियों का औसत परिचालन लाभ 60,000 करोड़ रुपए रहा था। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में तो यह 33,000 करोड़ रुपए के निचले स्तर पर आ गया था। यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियों पर आधारित है। पेट्रोलियम कंपनियां दो कारोबार से पैसा कमाती हैं। पहला रिफाइनिंग है। इसमें उन्हें सकल रिफाइनिंग मार्जिन मिलता है। यह रिफाइनरी के गेट पर शोधित उत्पाद के दाम में से कच्चे तेल का दाम घटाकर निकाला जाता है। दूसरा कारोबार पेट्रोल पंपों के जरिये पेट्रोल, डीजल की बिक्री का है। इसमें उन्हें ईंधन उत्पादों पर मार्जिन मिलता है। वित्त वर्ष 2022-23 में पेट्रोलियम कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन औसतन 15 डॉलर प्रति बैरल था।

यूपी में पेट्रोल महंगा, राजस्थान में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 83.33 डालर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.28 डॉलर गिरकर 79.35 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड खबर लिखे जाने तक 0.31 डॉलर की गिरावट के साथ बदलाव के 83.33 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। बुधवार को उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 53 पैसे महंगा हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल 42 पैसे और डीजल 41 पैसे महंगा हुआ है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 50 पैसे सस्ता हुआ है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

तीन जबर्दस्त मोटरसाइकिलें लॉन्च

- कई कंपनियों ने गर्मा दिया बाजार का माहौल

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो के साथ हार्ले और बजाज के साथ ट्रायम्फ मोटर्स ने अलग-अलग तीन मोटरसाइकिलों को लॉन्च की है जिससे भारतीय दुपहिया वाहन के बाजार का माहौल गर्मा दिया। देश की सबसे पुरानी और बेहतरीन बाइक बनाने वाली कंपनी अपनी 350 सीसी सेगमेंट की उतनी ही पुरानी मोटरसाइकिल की नई जनरेशन लॉन्च करने जा रही है। इस मोटरसाइकिल को झुकाने के लिए कई कंपनियों ने जोर लगाया लेकिन 1931 में लॉन्च हुई ये बाइक 91 सालों से देश में अपना परचम लहराए है। यहां पर हम बात कर रहे हैं रॉयल एन्फील्ड की बुलेट 350 मोटरसाइकिल की। क्लासिक रेट्रो लुक को अभी तक बरकरार रखने वाली बुलेट अपनी दमदार आवाज के साथ ही परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती रही है। एक समय ऐसा भी था जब पुलिस और आर्मी व्हीकल के तौर पर केवल बुलेट ही ऐसी मोटरसाइकिल थी जिस पर भरोसा किया जा सकता था। वहीं यूथ की आइकॉनिक बाइक भी हमेशा यही रही। सबसे पहले इसको टक्कर देने के लिए यामाहा ने आरडी 350 को लॉन्च कर एड़ी चोटी का जोर लगाया लेकिन मामला ढाक के तीन पात का ही निकला और यामाहा ने आगे चल कर अपनी बाइक को डिस्कंटिन्यू कर दिया। अब बात नई बुलेट 350 की। कंपनी इस मोटरसाइकिल की नई जनरेशन को जल्दी ही लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इसकी क्लासिक थीम को एक बार फिर पूरी तरह से रिडिजाइन कर लाने वाली है। बाइक के डिजाइन की बात की जाए तो ये अब बड़े क्रोम फेंडर के साथ आएगी। इसका टैंक ट्रेडिशनल टियरड्रॉप शेप में आएगा। बुलेट को रेट्रो लुक देने के लिए एक बार फिर विंटेज स्टाइल सिंगल पीस सीट दी जाएगी। नई बुलेट स्पोक व्हील्स के साथ वही पुराना लुक देगी। इसमें ट्रेडिशनल फ्रंट टेलीस्कोपिक फॉर्क और रियर डुअल शॉक दिया जाएगा। हालांकि ब्रेकिंग को सही करते हुए कंपनी इसके फ्रंट में डिस्क ब्रेक देगी और रियर ड्रम ब्रेक ही होगा। बाइक में 5 स्पीड गियरबॉक्स दिया जाएगा। वहीं सिंगल चैनल एबीएस, हैलोजन हैडलैंप, एलईडी टेल लैंप इसमें देखने को मिलेंगे।बताया जा रहा है कि कंपनी इस मोटरसाइकिल को अगस्त में लॉन्च करने जा रही है। अभी तक 350 सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड क्लासिक, मिटियोर और हंटर के साथ बाजार में अपने पैर जमाए है।

पेरिस में 2024 ओलंपिक मशाल को लेकर नजर आये आयोजन समिति के प्रेसीडेंट टोनी एस्ट्रेंगयूट और मेयर एनी हिडालगो।

बीसीसीआई ने घोषित किया कार्यक्रम, मोहाली में होंगे दो अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय घरेल सत्र 2023-24 के लिए कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसके तहत टीम इंडिया 16 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलेगी जिसमें 5 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 8 टी20 शामिल हैं। इसमें मोहाली में दो अंतरराष्ट्रीय मुकाबले रखे गये हैं। इससे पहले पंजाब क्रिकेट संघ ने विश्वकप में मोहली को मेजबानी नहीं मिलने पर विरोध जताया था। इस मामले में पंजाब के खेल मंत्री मीत हेयर ने भी केन्द्र सरकार से भी शिकायत की अब जो कार्यक्रम आया है। उसमें एक एकदिवसीय और एक टी20 मुकाबला यहां रखा गया है।

इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम के भारत दौरे का पहला एकदिवसीय मैच 22 सितंबर को मोहाली में खेला जाएगा। वहीं अफगानिस्तान टीम के भारत दौरे में 11 जनवरी को पहला टी-20 मोहाली में खेला जाएगा।

बीसीसीआई का अंतर्राष्ट्रीय घरेल सत्र 2023-24 का कार्यक्रम इस प्रकार है -

- 22 सितंबर - पहला एकदिवसीय (मोहाली)
- 24 सितंबर - दूसरा एकदिवसीय (इंदौर)
- 27 सितंबर - तीसरा एकदिवसीय (राजकोट)

ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा (5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय)

- 23 नवंबर - पहला टी-20 इंटरनेशनल (वायजाग)
- 26 नवंबर - दूसरा टी-20 इंटरनेशनल (केरला)
- 28 नवंबर - तीसरा टी-20 इंटरनेशनल (गुवाहाटी)
- 01 दिसंबर - चौथा टी-20 इंटरनेशनल (नागपुर)
- 03 दिसंबर - 5वां टी-20 इंटरनेशनल (हैदराबाद)

अफगानिस्तान का भारत दौरा (3 टी-20 अंतरराष्ट्रीय)

- 11 जनवरी - पहला टी-20 इंटरनेशनल (मोहाली)
- 14 जनवरी - दूसरा टी-20 इंटरनेशनल (इंदौर)
- 17 जनवरी - तीसरा टी-20 इंटरनेशनल (बेंगलुरु)

इंग्लैंड का भारत दौरा (5 टेस्ट)

- 25 से 29 जनवरी - पहला टेस्ट (हैदराबाद)
- 02 से 06 फरवरी - दूसरा टेस्ट (वायजाग)
- 15 से 19 फरवरी - तीसरा टेस्ट (राजकोट)
- 23 से 27 मार्च - चौथा टेस्ट (रांची)
- 07 से 11 मार्च - 5वां टेस्ट (धर्मशाला)

संक्षिप्त समाचार

स्पेन ने भारतीय हॉकी टीम को 2-1 से हराया हराया

बार्सिलोना । भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित चार देशों के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के पहले मैच में मेजबान टीम ने 2-1 से हरा दिया। इस मुकाबले में स्पेन की ओर से पॉल क्यूनिल ने 11 वें मिनट जबकि जोक्विन मेनिनी ने 33 वें मिनट में गोल किये। वहीं भारतीय टीम की ओर से एकमात्र गोल हरमनप्रीत सिंह ने 59वें मिनट में दागा। भारतीय टीम ने शुरुआती क्वार्टर में आक्रामक खेल दिखाया पर वह अपने प्रयासों को गोल में नहीं बढ़त पायी। मेजबान टीम के क्यूनिल ने पहले क्वार्टर के समाप्त होने से पहले ही गोल दागर स्पेन को बढ़त दिला दी। वहीं भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर में वापसी के प्रयास किये पर वह सफल नहीं रही। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में कई हमले किये। इस दौरान स्पेन की ओर से मेनिनी ने गोल कर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। भारतीय टीम को तीसरे क्वार्टर में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर भारतीय टीम उसे गोल में नहीं बदल पायी। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन कर मेजबान टीम पर दबाव बनाया। इसी का लाभ उठाते हुए भारतीय टीम की ओर से 59वें मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में एक गोल दाग दिया। स्पेन ने इसके बाद कोई ओर गोले नहीं होने देते हुए मैच पर 2-1 से कब्जा कर लिया।

वॉर्नर और स्मिथ टेस्ट से ले सकते हैं संन्यास : वॉन

सिडनी । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वान के अनुसार इस एशेज सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं। एशेज का चौथा टेस्ट ड्रा के कारण यह सीरीज अभी ऑस्ट्रेलिया के पास ही है। अब इंगलैंड का लक्ष्य किसी प्रकार अंतिम मैच जीतकर सीरीज को बराबरी पर लाना रहेगा। वॉन ने कहा कि बरसात के दिनों में ऐसा हमेशा होता है जब पत्रकार थोड़े ऊब जाते हैं और आप कुछ लोगों से बात करना शुरू कर देते हैं। उसी दौरान स्मिथ और वार्नर के संन्यास की बातें सामने आयी है। वॉन बोले, स्मिथ के बारे में कहा जा रहा था कि ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच अंतिम होगा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि हो सकता है कि मैनचेस्टर में बारिश के कारण ही लोग बात कर रहे हों पर कल प्रेस बॉक्स में यही चर्चा थी कि कुछ ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खेल को अलविदा कह सकते हैं। वार्नर ने जनवरी 2024 से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से संन्यास लेने की अपनी योजना का खुलासा किया था हाल के दिनों में उनका फार्म भी अच्छा नहीं है जिससे ये अफवाह और जोर पकड़ रही है। वहीं दूसरी ओर स्मिथ इस समय अच्छे फॉर्म में हैं। ऐसे में वॉन के अनुमान कितने सही है ये समय ही बताएगा।

भारत-वेस्टइंडीज पहला एकदिवसीय

आज, युवा खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

शाम सात बजे से होगा मैच

ब्रिजटाउन।

भारतीय टीम गुरुवार को यहां मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। टेस्ट सीरीज में मिली जीत से भारतीय टीम का मनोबल पहले ही बढ़ा हुआ है। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए भी यह सीरीज अहम मानी जा रही है। इसलिए इसमें शामिल सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। इस सीरीज में आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बेहतर प्रदर्शन कर इस प्रारूप में भी अपने को उपयोगी साबित करना चाहेंगे। वहीं विश्वकप में दूसरे विकेटकीपर के स्थान के लिये ईशान किशन और संजू सैमसन का नाम सबसे आगे हैं, ऐसे में ये दोनो भी इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी मजबूत करना चाहेंगे। भारत एशिया कप और विश्व कप के लिये टीम संयोजन तैयार करने के मकसद से इस सीरीज में कुछ खिलाड़ियों को आजामा रहा है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर भी इसके लिए यहां पहुंचे हैं। टेस्ट की तरह ही एकदिवसीय में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इस सीरीज में सूर्यकुमार, ईशान, सैमसन, के अलावा युजवेंद्र चहल और उमरान मलिक के प्रदर्शन पर भी चयन समिति की नजरं रहेंगी। टी20 क्रिकेट में नंबर एक खिलाड़ी बने सूर्यकुमार चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह चौथे नंबर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उतरेंगे। सूर्यकुमार को पहले मैच में अंतिम ग्यारह में जगह मिलने की उम्मीद है। वहीं जांघ की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन करा रहे लोकेश राहुल के नहीं होने के कारण उनकी जगह के लिए इस मैच में ईशान और सैमसन में से किसी एक को अवसर मिलेगा। सैमसन को टीम से भीतर बाहर होने की आदत है लेकिन 11 वनडे में 66 की औसत से रन बना चुके इस खिलाड़ी को टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले ईशान को पहले मैच में विकेटकीपर की जिम्मेदारी मिलने की अधिक संभावना है।

वहीं मध्यक्रम में सैमसन को जगह मिल सकती है। पारी की शुरुआत कप्तान रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल करेंगे। ऐसे में युवा रूतुराज गायकवाड़ को शायद ही जगह मिले। वहीं तेज गेंदबाजी में गेंदबाज उमरान मलिक के पास इसी सीरीज में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर है। उन्होंने सात वनडे में 13 विकेट लिए हैं। इस मैच में कुलदीप यादव की जगह पर यजुवेन्द्र चहल को शामिल किया जा सकता है। तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज के अलावा जयदेव उनादकट, मुकेश कमार और शार्दुल ठाकुर के पास रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान वेस्टइंडीज टीम इस बार एकदिवसीय विश्व कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी है और ऐसे में उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर ये दिखाना होगा कि उसके पास अभी क्रिकेट प्रतिभाएं बरकरार हैं।

दिग्गज खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायेर और ओशाने थॉमस की वापसी से भी टीम का मनोबल बढ़ेगा।

दोनो टीमें इस प्रकार हैं -

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, रूतुराज गायकवाड़, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, शार्दुल ठाकुर, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज, उमरान मलिक, मुकेश कुमार

वेस्टइंडीज - शाई होप (कप्तान), रोवमैन पॉवेल, एलिक अथानाजे, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, डोमिनिक ड्रेक्स, शिमरोन हेटमायेर, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, काइल मायर्स, गुडाकेश मोती, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, केविन सिनक्लेयर, ओशाने थॉमस ।

आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में हरलीन, जेमिमा ऊपर आयीं

हरमनप्रीत को हुआ नुकसान

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम की हरलीन देयोल ओर जेमिमा रोड्रिग्स ने लंबी छलांग लगायी है।

हरलीन को बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेलने का लाभ मिला है। इसी के साथ ही हरलीन को रैंकिंग में 32 स्थान की बढ़त मिली है। इससे हरलीन ताजा आईसीसी रैंकिंग में 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं दूसरे एकदिवसीय में आक्रामक पारी खेलने वाली जेमिमा 41 स्थान के लाभ के साथ ही 55वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना के एक स्थान ऊपर आकर छठे स्थान जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर दो स्थान के नुकसान के साथ ही आठवें स्थान पर खिसक गयी हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो भारत की दीप्ति शर्मा 9 वें और राजेश्वरी गायकवाड़ 10 वे स्थान पर हैं। स्नेह राणा तीन पायदान ऊपर आगर 38वें स्थान पर हैं। दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में सावें स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड की ऑलराउंडर नताली साइवर-ब्रंट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैम्पियनशिप श्रृंखला के अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाने के साथ ही पहली बार आईसीसी महिला एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बनी हैं। इसी के साथ ही वह अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी से आगे निकल गईं हैं। उन्होंने ऑलराउंडरों की रैंकिंग में शीर्ष पर बनी वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज पर अपनी बढ़त 39 रेटिंग अंक तक बढ़ा ली है।

भारत-पाक मैच की तारीख बदलने को लेकर बीसीसीआई की राज्य क्रिकेट संघों के साथ बैठक आज

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को सभी राज्य संघों की एक बैठक बुलायी है। इसमें एकदिवसीय विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ 15 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले की तारीख बदलने पर चर्चा होगी। यह अहम बैठक बीसीसीआई सचिव जय शाह ने बुलायी है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार एकदिवसीय विश्व कप का यह महामुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना पर इसी दिन से नवरात्रि समारोह भी शुरु होने वाले हैं। इसी को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा का हवाला देते हुए बीसीसीआई से मैच का कार्यक्रम बदलने को कहा है। स्थानीय पुलिस ने बीसीसीआई से कहा है कि उस दिन सुरक्षा का ध्यान रखना कठिन होगा।

मेजबानी के लिए तैयार राज्य संघों के साथ बीसीसीआई अधिकारियों की यह बैठक नई दिल्ली में होगी। इसमें यह तय है कि अहमदाबाद में होने वाले

भारत-पाक विश्व कप मैच की तारीख में संभावित बदलाव पर फैसला होगा। अगर भारत-पाकिस्तान मैच पहले किया जाता है तो इसका असर एकदिवसीय विश्व कप के पूरे कार्यक्रम पर पड़ सकता है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार, 14 अक्टूबर टूर्नामेंट में डबल हेडर वाला दिन है। विश्व कप मैच की तारीख में बदलाव से कई प्रशंसकों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर भारी असर पड़ेगा, जिन्होंने पहले से ही इस मैच को लेकर अहमदाबाद के लिए आवास और उड़ान टिकट बुक कर लिए हैं।

विराट विश्व में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष-100 खिलाड़ियों में शामिल एकमात्र भारतीय

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली रनों के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। विराट विश्व में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शीर्ष-100 खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसमें केवल दो एशियाई खिलाड़ी शामिल हैं। विराट साल 2022 में सबसे अधिक रकम पाने वाले शीर्ष 100 खिलाड़ियों में एकमात्र भारतीय हैं। उनकी कुल संपत्ति 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। वह साल 2022 के लिए जारी की गई शीर्ष 100 सबसे अधिक भुगतान हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में 61 वें स्थान पर हैं. भारतीय राष्ट्रीय टीम के अलावा आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलने वाले विराट ने वेतन और जीत से 2.9 मिलियन डॉलर और विज्ञापन से 31 मिलियन डॉलर कमाए हैं। उनकी कुल कमाई 33.9 मिलियन डॉलर आंकी गई है हालांकि वह 2021 में अपनी 59वीं रैंक से दो स्थान नीचे गिर गए हैं। कोहली के अलावा, इस सूची में एशिया से एकमात्र अन्य खिलाड़ी जापान की टेनिस स्टार नाओमी ओसाका हैं। 25 वर्षीय साल की ओसाका ने अपने करियर में 4 ग्रैंड स्लैम, दो अमेरिकी ओपन और दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीते हैं। ओसाका इस सूची में 20वें स्थान पर आने वाली शीर्ष एशियाई खिलाड़ी हैं। ओसाका की कुल कमाई 53.2 मिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसमें केवल 1.2 मिलियन डॉलर जीत से और 52 मिलियन डॉलर विज्ञापन से प्राप्त हुए हैं।

फीफा महिला विश्व कप : फिलीपींस ने न्यूजीलैंड को हराकर सबको किया हैरान

कोलंबिया ने दक्षिण कोरिया को हराया

सिडनी ।

फिलीपींस ने फीफा महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड को 1-0 से हराकर इस टूर्नामेंट में पहली बार कोई मुकाबला जीता है। वहीं एक अन्य मुकाबले में कोलंबिया ने दक्षिण कोरिया को 2-0 से हरा दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रुप ए में नॉर्वे ने स्विट्ज़रलैंड के साथ हुए मुकाबले में गोल रहित ड्रॉ खेला। इस मैच में नॉर्वे को अपने स्टार फ़ॉरवर्ड एडा हेगरबर्ग के बिना ही खेलना पड़ा। अब नॉर्वे को दो गेम में केवल एक अंक ही मिला है। अब उसे फिलीपींस से होने वाले अपने अंतिम ग्रुप मैच को किसी भी हालत में जीतना होगा। फिलीपींस ने ग्रुप के एक अन्य मैच में न्यूज़ीलैंड को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया था। सरीना बोल्डन ने 24वें मिनट में फिलीपींस की ओर से विजयी गोल कर खेलों के सह मेजबान को हैरान कर दिया था। फिलीपींस के कोच एलन स्टैजिक ने कहा, मेरी आंखों में बाकी सभी के आंसू हैं, यह बहुत भावुक करने वाला है। आपने देखा कि न्यूजीलैंड को अपनी पहली जीत के लिए कितना लंबा इंतजार करना पड़ा। इसलिए फिलीपींस के लिए आज उसे हासिल करना अविश्वसनीय था। वहीं अपने पहले मैच में नॉर्वे पर ऐतिहासिक जीत के बाद न्यूज़ीलैंड टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरी थी। न्यूजीलैंड ने दूसरे हाफ में बराबरी हासिल करने के लिए कई अच्छे आक्रमक किये पर उसके खिलाड़ी उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। हार के बाद निराश न्यूजीलैंड के कोच जित्का विलमकोवा ने कहा, यह दिल तोड़ने वाला था, मैं अपने खिलाड़ियों की आंखों में आंसू देख सकता था। पर यह अभी सबकुछ समाप्त नहीं हुआ है। हमें अभी भी एक गेम खेलना बाकी है। स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ गेम से पहले हमारे पास अभी भी अपना ध्यान केन्द्रित करने समय है। वहीं एक अन्य मैच में किशोरी लिंडा कैसिडो के गोल से कोलंबिया ने दक्षिण कोरिया को 2-0 से हरा दिया। 18 वर्षीय कैसिडो ने पहले हाफ के अंत में कोलंबिया के लिए दूसरा गोल दागा। वहीं दक्षिण कोरियाई टीम पहले हाफ के अधिकांश समय पीछे रही और कोलंबिया की मजबूत रक्षापंक्ति का सामना करने में विफल रही। दक्षिण कोरिया ने 78वें मिनट में सबसे कम उम्र की खिलाड़ी 16 वर्षीय फॉरवर्ड केसी फेयर को उतारा पर वह भी कोई कमाल नहीं कर पायी।

भारतीय टीम के प्रदर्शन से खुश रोहित बोले, वेस्टइंडीज में खेलना अलग प्रकार की चुनौती

पोर्ट ऑफ स्पेन । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वेस्टइंडीज में खेलना अपने आप में एक अलग प्रकार की चुनौती है। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है और अब उसे तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है। रोहित ने कहा कि वेस्टइंडीज में खेलने की अपनी चुनौती है और जिस तरह से चीजें उनकी टीम के लिए रहीं, उससे वह संतुष्ट हैं। भारतीय टीम यहां बारिश के कारण दूसरा टेस्ट मैच नहीं जीत पायी थी। रोहित ने मैच के बाद कहा, हर जीत अलग होती है। वेस्टइंडीज में खेलने की अपनी चुनौती होती है। जिस तरह से चीजें हुईं, उससे खुश हूं। हमने अच्छा प्रयास किया, बदकिस्मती से अंतिम दिन बारिश होने के कारण हमारे हाथ से जीत निकल गयी। हम सकारात्मक इरादे के साथ उतरे थे। बारिश ने अंतिम फैसला किया। हम काफी आश्वस्त थे। आप जानते हैं कि अंत में बल्लेबाजी करना वेस्टइंडीज के लिए कितना मुश्किल रहेगा। हम हमेशा उस तरह का स्कोर चाहते थे, जहां हम चाहते थे कि विपक्षी टीम इसके लिए आगे बढ़े। सतह पर ज्यादा कुछ नहीं था। अंतिम दिन खेल नहीं होने से हमारे हाथ से जीत का अवसर निकल गया। उन्होंने कहा कि वह एक टीम के रूप में बेहतर होने में विश्वास करते हैं।रोहित ने कहा, मैं हमेशा एक टीम के रूप में बेहतर होने में विश्वास करता हूं। मैंने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के बाद भी कहा था। हमने लगातार क्रिकेट खेला है। हम इसी पर ध्यान दे रहे हैं। हम खेल के सभी तीन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। रोहित ने दूसरे टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और युव बल्लेबाज ईशान किशन की प्रशंसा की।

एकदिवसीय सीरीज देखने देर रात तक जागना होगा

मुम्बई टीम इंडिया के प्रशंसकों के लिए भारत और वेस्टइंडीज के बीच गुरुवार से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज देखना कठिन रहेगा। इसका कारण मैच शुरू होने का समय है। एकदिवसीय सीरीज के मैच दोपहर 1ः30 बजे शुरू होंगे। वहीं भारतीय समयानुसार यह मैच शाम 7 बजे से शुरू होगा। इस प्रकार ये मैच रात करीब 3 बजे समाप्त होंगे। ऐसे में दर्शकों को मैच देखने के लिए देर रात तक जागना होगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला एकदिवसीय मैच टीवी पर डीडी स्पोर्ट्स पर देख सकते हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहले एकदिवसीय मैच की लाइव स्ट्रीमिंग आप जियो सिनेमा एप पर भी देख सकते हैं।

गुजरात सरकार की तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 1.36 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की तीर्थयात्रा

गांधीनगर । गुजरात में बसने वाले सीनियर सिटीज़न्स तीर्थ दर्शन का लाभ ले सकें; इसके लिए गुजरात सरकार द्वारा चलाई जा रही श्रवण तीर्थ दर्शन योजना का अब तक 1,32,928 श्रद्धालुओं ने लाभ लिया है। वर्ष 2017 से लागू इस योजना में सरकार ने श्रद्धालुओं को 757 लाख रुपए की सहायता प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि गुजरात सरकार द्वारा तीर्थ दर्शन के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 1,36,335 श्रद्धालुओं ने लाभ लिया है और इसके लिए राज्य सरकार ने 1464.90 लाख यानी 14 करोड़ 64 लाख 90 हज़ार रुपए की सहायता श्रद्धालुओं को दी है। गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड (जीपीवायबी) द्वारा श्रवण तीर्थ योजना की भाँति अन्य योजनाएँ भी चलाई जा रही हैं; जिनमें कैलाश मान सरोवर योजना तथा सिंधु दर्शन योजना महत्वपूर्ण हैं। इन योजनाओं में कैलाश मान सरोवर योजना सबसे पुरानी है। यह योजना वर्ष 2001 से लागू है, जबकि सिंधु दर्शन योजना का शुभारंभ वर्ष 2017 में हुआ। वर्ष 2001 से शुरू हुई कैलाश मान सरोवर यात्रा का लाभ 2,561 श्रद्धालुओं ने लिया है। इस यात्रा के लिए राज्य सरकार ने श्रद्धालुओं को 581 लाख रुपए की सहायता प्रदान की है। इसी प्रकार वर्ष 2017 से चल रही सिंधु दर्शन योजना के लाभार्थियों की संख्या जून-2023 तक 845 पर पहुँची है, जिन्हें राज्य सरकार ने 126.9 लाख रुपए की सहायता प्रदान की है। भारत के भाल समान लेह-लद्दाख में आयोजित होने वाले सिंधु दर्शन उत्सव के लिए राज्य सरकार द्वारा सहायता दी जाती है। हर वर्ष गुरु पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले इस उत्सव में सिंधी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उमड़ते हैं। यहाँ श्रद्धालू सिंधु स्नान कर पवित्रता की अनुभूति करते हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष 300 यात्रियों को सहायता मिलती है। प्रति लाभार्थी 15 हज़ार रुपए की सहायता दी जाती है। यदि यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है, तो ड्रॉ सिस्टम से 300 लाभार्थियों का चयन किया जाता है।

इस प्रकार, गुजराती श्रद्धालुओं की तीर्थयात्रा की इच्छापूर्ति में गुजरात सरकार महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

क्या है श्रवण तीर्थ दर्शन योजना ?

क्रियान्वयन कब से ङ्क श्रवण तीर्थ दर्शन योजना 1 मई, 2017 से लागू है।

कौन कर सकता है यात्रा ङ्क राज्य के 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक अपने पसंदीदा तीर्थस्थानों की समूह यात्रा कर सकते हैं।

योजना का लाभ किसे-कितना – योजना का लाभ लेने के लिए एक समूह में कम से कम 27 यात्री होने ज़रूरी हैं। यात्रा की समयावधि अधिकतम् 3 दिन-3 रात्रि रखी जा सकती है। योजना के अंतर्गत समूह यात्रियों को राज्य परिवहन (एसटी) निगम की सुपर नॉन-एसी बस, मिनी नॉन-एसी बस, स्लीपर कोच या निजी बस की यात्रा के ख़र्च की 75 प्रतिशत राशि सरकार की ओर से दी जाती है। इसके अलावा, प्रत्येक यात्री को सहायता के रूप में एक दिन के भोजन के 50 रुपए तथा आवास के 50 रुपए; यानी कुल 100 रुपए और अधिकतम् 300 रुपए दिए जाते हैं।

क्या है कैलाश मान सरोवर योजना ?

क्रियान्वयन ङ्क वर्ष 2001 से

योजना का लाभ किसे-कितना ङ्क केन्द्र सरकार द्वारा कैलाश मान सरोवर यात्रा के लिए चयनित गुजरात के यात्रियों को यात्रा से लौटने के बाद राज्य सरकार द्वारा 23000 रुपए की प्रोत्साहक राशि प्रदान की जाती है।

इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के आरोपी तथ्य पटेल का ड्राइविंग लाइसंस होगा रद्द

अहमदाबाद। शहर के इस्कॉन ब्रिज पर तेज रफ्तार में जगुआर कार चलाकर 10 लोगों को मौत की नींद सुलाने वाले तथ्य पटेल के खिलाफ अब अहमदाबाद आरटीओ भी हरकत में आ गया है। आरटीओ जल्द ही तथ्य पटेल का ड्राइविंग लाइसंस रद्द कर सकता है। अमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना का मुख्य आरोपी तथ्य पटेल फिलहाल अपने पिता के साथ अहमदाबाद की साबरमती जेल में बंद है। इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के बाद पुलिस आरोपी तथ्य पटेल के खिलाफ सबूत एकत्र कर रही है। पुलिस की जांच में चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई है। पुलिस के बाद अब आरटीओ भी हरकत में आ गया है। अहमदाबाद आरटीओ ने तथ्य पटेल का ड्राइविंग लाइसंस रद्द करने की दिशा में कार्यवाही शुरू कर दी है। इसके लिए अहमदाबाद आरटीओ ने पुलिस से ऑन पेपर समेत ब्यौरा मांगा है। ब्यौरा मिलने के बाद आरटीओ हियरिंग कर तथ्य पटेल का ड्राइविंग लाइसंस रद्द करेगा। दूसरी ओर जिस जगुआर कार से इतनी बड़ी दुर्घटना हुई उसे लेकर भी बड़ा खुलासा हुआ है। जगुआर कार तथ्य पटेल को गिफ्ट में मिली थी। तथ्य पटेल के पिता प्रज्ञेश पटेल ने उसे जगुआर कार गिफ्ट की थी। प्रज्ञेश पटेल ने भागीदार के नाम से जगुआर कार लेकर अपने बेटे तथ्य पटेल को दी थी। डेढ़ साल पहले जगुआर कार से तथ्य पटेल अब तक तीन दुर्घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के आरोपी तथ्य पटेल के खिलाफ अब तक 3 एफआईआर दर्ज हो चुकी है और तीनों एफआईआर दुर्घटना की हैं। पहली एफआईआर इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना, दूसरी सिंधुभवन रोड दुर्घटना और तीसरी एफआईआर आज दर्ज की गई है। तीसरी एफआईआर गांधीनगर के सांतेज पुलिस थाने में दर्ज की गई है। यह घटना 6 महीने पहले उस वक्त की जब वह न्यू इयर की पार्टी में जाते समय तथ्य पटेल ने वांसजडा गांव की सीमा से साणंद की ओर जाने वाले मेइन रोड पर स्थित बलियादेव के मंदिर में कार घुसा दी थी। इस घटना में सांतेज पुलिस ने तथ्य पटेल के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

दो बेटों और पत्नी की पिटाई से पति की मौत, शव को दफनाते उससे पहले पहुंच गई पुलिस

अहमदाबाद । शहर के जुहापुरा क्षेत्र में पत्नी ने अपने दो बेटो के साथ मिलकर पति के साथ मारपीट की। उस दौरान सिर पर गंभीर चोट लगने से पति की मौत हो गई। पति के शव को दफनाने की तैयारी की जा रही थी कि वेजलपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और महिला समेत उसके दो बेटों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक वेजलपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि जुहापुरा क्षेत्र के फतेवाडी केनाल के निकट स्थित एवन सोसायटी में एक अधेड़ का शव रखा हुआ है, जिसकी मौत प्राकृतिक नहीं बल्कि मारपीट की वजह से हुए। साथ ही यह बताया गया दफनाने की तैयारियां की जा रही है। सूचना मिलते ही वेजलपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और वहां स्थिति भांप गई। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि मृतक युसूफ खोखर की पत्नी और दो बेटों ने उसके साथ मारपीट की थी। उस दौरान युसूफ खोखर नीचे गिर गए थे, जिसमें सिर पर गंभीर चोट लगने की वजह से उनकी मौत हो गई थी। मौत के बाद पत्नी और बेटों ने तुरंत शव का निपटारने के प्रयास शुरू कर दिए। युसूफ खोखर के शव को उसकी बेटी के घर ले जाया गया और उसे दफनाने की तैयारियां शुरू कर दीं। साथ ही सगे-संबंधियों को भी युसूफ खोखर की मौत और उनके दफनाए जाने के बारे में जानकारी दे दी। हांलाकि मृतक के भाई को युसूफ खोखर की मौत पर संदेह हुआ और उसने पुलिस को इसकी जानकारी दे दी। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतक की पत्नी आबेदाबानु खोखर, दो बेटे मोहमद शरीफ खोखर और शाहनवाज खोखर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की।

गुजरात में एक ही दिन में 1360 करोड़ रुपए के निवेश के लिए हुए 6 एमओयू

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात को निवेश का श्रेष्ठ गंतव्य बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की दसवीं श्रृंखला जनवरी-2024 में आयोजित होने जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने इस समिट को सफल बनाने के लिए सिलसिलेवार तरीके से आयोजन शुरू कर दिया है। वाइब्रेंट समिट-2024 के पूर्वार्ध में राज्य सरकार ने विभिन्न उद्योगों के साथ अभी से समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने की शुरुआत कर दी है। इस संदर्भ में बुधवार, 26 जुलाई को गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गुजरात में उद्योग स्थापित करने के लिए विभिन्न औद्योगिक घरानों द्वारा 1360 करोड़ रुपए के कुल निवेश के साथ 6 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अनुसार, इंजीनियरिंग सेक्टर में कुल 775 करोड़ रुपए के निवेश के लिए 3 औद्योगिक घरानों ने एमओयू किए। ये तीनों औद्योगिक घराने साणंद जीआईडीसी फेज-2 में अपने उद्योग शुरू करेंगे और लगभग 700 संभावित रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगे। इसी क्रम में, टेक्सटाइल सेक्टर में 294 करोड़ रुपए के निवेश के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया, जिसके माध्यम से 1800 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। इतना ही नहीं, फार्मास्युटिकल सेक्टर में हुए एमओयू के अनुसार, 2 उद्योगों द्वारा 290 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा तथा इससे लगभग 500 संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे। उद्योग मंत्री बलवंत सिंह राजपूत और राज्य मंत्री हर्ष संघवी की मौजूदगी में इन एमओयू पर राज्य सरकार की ओर से उद्योग विभाग के एडिशनल चीफ सीक्रेटरी श्री एस.जे. हैदर और औद्योगिक घरानों के संचालकों की ओर से उनके वरिष्ठ मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशकों (एमडी) आदि ने हस्ताक्षर किए। मओयू करने वाली कंपनियों के प्रमुखों ने इस बात के लिए आभार व्यक्त किया कि गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में सक्रिय दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप उद्योग शुरू करने के लिए आवश्यक मंजूरियां त्वरित गति से मिली हैं। इन उद्योगपतियों ने कहा कि राज्य में श्रम शांति और कुशल कार्यबल की आसान उपलब्धता के कारण उन्होंने अपनी इकाइयों के विस्तार और नई इकाइयां शुरू करने के लिए गुजरात का चयन किया है। साणंद जीआईडीसी फेज-2 में वर्ष 2024-25 तक इन उद्योगों को शुरू करने के लिए जिन 6 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें इंजीनियरिंग सेक्टर में आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड, इंगरसोल-रैंड (इंडिया) लिमिटेड, टेक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फार्मास्युटिकल सेक्टर में बायो जेनोमिक्स लिमिटेड और ओमनीबीआरएक्स (OmniBR&) बायोटेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और टेक्सटाइल सेक्टर में वर्ल्ड वाइड सेफ्टी प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर मुख्य सचिव राज कुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के प्रबंध निदेशक राहुल गुप्ता, उद्योग आयुक्त संदीप सागले तथा औद्योगिक विस्तार-ब्यूरो (iNDEXTb) के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भव्य वृक्षारोपण समारोह का हुआ आयोजन

सूरत भूमि,सूरत। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा बुधवार को सुबह साढ़े नौ बजे से भव्य वृक्षारोपण समारोह का आयोजन उधना मगदल्ला रोड़ स्थित जे.पी. डावर इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के कैंपस में किया गया । समारोह में वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी के वॉइस चांसलर डॉ किशोर सिंह चावड़ा मुख्य अतिथि एवं डॉ पुष्पल देसाई गेस्ट ऑफ ओनर के रूप में उपस्थित रहें । समारोह में सौ से अधिक पौधे लगाए गए एवं कैंपस में भी इंडोर पौधों के गमले रखे गए । ट्रस्ट द्वारा अतिथियों का मोमेंटो से सम्मान किया गया एवं वॉइस चांसलर द्वारा ट्रस्ट के सदस्यों को भागवत गीता दी गयी । इस मौके पर अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के पदाधिकारी, ट्रस्टी, महिला एवं युवा इकाई के सदस्य उपस्थित रहें ।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने देशभर में 'कस्टमर कनेक्ट एंड आउटरीच प्रोग्राम' का आयोजन किया

सूरत। बैंक ऑफ महाराष्ट्र देश का अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है. बैंक ने 24 जुलाई, 2023 को देश भर में अपनी सभी शाखाओं और आंचलिक कार्यालयों में च्याहक कनेक्ट और आउटरीच कार्यक्रमज का आयोजन किया। दक्षिण गुजरात जोन का कार्यक्रम सूरत के डुमस रोड स्थित उमर में आयोजित किया गया, जिसमें बैंक ऑफ साउथ गुजरात की सभी शाखाओं के अधिकारी मौजूद थे।

श्री सूर्यकान्त ए. सावंत, महाप्रबंधक, निरीक्षण एवं लेखापरीक्षा, प्रधान कार्यालय, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और श्री चेरकुला युगेश बाबू, आंचलिक प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सूरत क्षेत्र ने सभी ग्राहकों को उनके विश्वास और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। दक्षिणी गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) के अध्यक्ष श्री रमेश वाघसिया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। यह आयोजन पूरे भारत में ग्राहकों तक पहुंचने और बैंक द्वारा पेश किए गए विभिन्न बैंकिंग उत्पादों के बारे में उनकी जागरूकता बढ़ाने के लिए बैंक द्वारा की गई एक सक्रिय पहल थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सूर्यकांत ए. महाप्रबंधक सावंत ने कहा कि आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य बैंक और उसके ग्राहकों के बीच बेहतर संबंधों को बढ़ावा देना, विचारों का आदान-प्रदान करना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, ग्राहकों की शिकायतों का समाधान करना और बैंक की सेवाओं में और सुधार के लिए प्रतिक्रिया एकत्र करना था।

श्री चेरकुला युगेश बाबू, जोनल मैनेजर ने जोर देकर कहा कि च्चखुदरा विकास का समर्थन करने के लिए, बैंक ने आवास और कार ऋण के लिए प्रसंस्करण शुल्क माफ कर दिया, कोई पूर्व-भुगतान/पूर्व-बंद/आंशिक भुगतान शुल्क नहीं, महिला उधारकर्ताओं और रक्षा कर्मियों को अतिरिक्त रियायतें। विभिन्न जैसे अन्य उपाय लागू किए गए हैं। बैंक को मजबूत करने के लिए, बैंक एमएसएमई को मुफ्त में अनुकूलित उत्पाद प्रदान करता है। एमई, सह-वित्तपोषण और डिजिटल ऋण उपाय लागू किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान, इस बात पर प्रकाश डाला गया कि बैंक का ग्राहक केंद्रित है। हाल के वर्षों में इसके विकास में योगदान देने वाला दृष्टिकोण एक महत्वपूर्ण कारक रहा है।

वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणामों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 की अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 95 प्रतिशत बढ़कर 882 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 452 करोड़ रुपये था। जून 2023 के अंत में कुल जमा साल-दर-साल 25% बढ़कर 2,44,365 करोड़ रुपये हो गई, जबकि कुल अग्रिम साल-दर-साल 24.63% बढ़कर 1,75,676 करोड़ रुपये हो गई। शुद्ध एनपीए साल-दर-साल 0.88 प्रतिशत के मुकाबले 0.24 प्रतिशत रहा।

'ग्राहक कनेक्ट और आउटरीच कार्यक्रम' में, श्री सूर्यकांत आत्माराम सावंत, महाप्रबंधक और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, लाभार्थियों को 55 करोड़ से अधिक अनुमोदन पत्र दिए गए। आउटरीच कार्यक्रम में कुल 1017 खाते खोले गये। इसके अलावा, कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्राहकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में नामांकित किया गया, जिनमें 302 प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), 529 प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और 132 अटल पेंशन योजना (एपीवाई) नामांकन शामिल हैं। इसके अलावा 132 सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खाते भी खोले गए।

यूनिकॉमर्स पूरे गुजरात में क्षेत्रीय विक्रेताओं को सशक्त बनाता है; इकुम्भा प्रौद्योगिकी की शक्ति का प्रदर्शन करता है

सूरत। भारत के अग्रणी ईकॉमर्स-सक्षम SaaS प्लेटफॉर्म, यूनीकॉमर्स ने शनिवार को सूरत में अपनी दूसरी क्षेत्रीय व्यापार-केंद्रित बैठक एकुंभ का समापन किया। इस आयोजन ने गुजरात के स्थानीय विक्रेताओं को प्रौद्योगिकी शो में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान किया, जिसमें ईकॉमर्स विक्रेताओं, डी2सी ब्रांडों और राज्य के व्यापारिक समुदाय के पारंपरिक खुदरा व्यवसायों सहित 1000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की सफलता पर, यूनीकॉमर्स के सीईओ कपिल मखीजा ने कहा, "गुजरात ने पूरे भारत में हो रहे ई-कॉमर्स क्षेत्र के तेजी से विकास को अपनाया है। हमने इस क्षेत्र में ईकॉमर्स रुझान देखा है जो इसके मजबूत विकास पथ की ओर इशारा कर रहा है। जैसे-जैसे स्थानीय व्यवसाय प्रौद्योगिकी को अपनाना जारी रखते हैं, गुजरात के ई-कॉमर्स बाजार में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण विस्तार हुआ है। हम इस क्षेत्र में व्यवसाय वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नवीन समाधान प्रदान करने और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

निप्पॉन पेंट इंडिया ने इनफिनिटी ऑटोमेटिक टिंटिंग सिस्टम लांच करने की घोषणा की

गुजरात। निप्पॉन पेंट इंडिया की वुड आर्ट बिजनेस ने अपने वर्ग में सर्वोत्तम इनफिनिटी ऑटोमेटिक टिंटिंग सिस्टम लांच करने की घोषणा की है जो भारत में तेजी से बढ़ रहे इंटीरियर फर्नीचर कोटिंग बाजार के लिए असीमित रंगों और उत्पाद समाधानों की पेशकश करता है।

निप्पॉन पेंट इंडिया के निदेशक शरद मल्होत्रा के मुताबिक, हम इनफिनिटी रेंज से भारतीय उपभोक्ताओं का परिचय कराते हुए रोमांचित हैं। इन उत्पाद रेंज और कलर सिस्टम को भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्थितियों के लिए खासतौर पर विकसित किया गया है। यही नहीं, जैसा कि नाम से प्रतीत होता है, यह इनफिनिटी पोर्टफोलियो तेजी से बढ़ते हुए उपभोक्ताओं के लिए और मूल्य सृजन करेगा और साथ ही आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनरों को उत्पादों के व्यापक विकल्प और रंगों से खेलने का विकल्प देगा।

निप्पॉन पेंट इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (वुड कोटिंग्स) हितेश शाह ने कहा, इनफिनिटी इस दशक में हमारा सबसे महत्वपूर्ण नवप्रवर्तन है और यह ऐसी कलर कोटिंग की पेशकश करता है जो एक दशक से अधिक समय तक चले। हमारी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी फर्नीचर विनिर्माताओं, डिजाइनरों और मकान मालिकों को बहुआयामी चकित करने वाले कस्टमाइज्ड फिनिश के साथ अपने इंटीरियर को एक नया रूप देने में सशक्त बनाती है। हमारा जोर दक्षता, टिकाऊपन और उच्च गुणवत्ता पर है जो हमें इस उद्योग में दूसरों से अलग करता है।

निप्पॉन पेंट का इनफिनिटी ऑटोमेटिक टिंटिंग सिस्टम इंटीरियर फर्नीचर कोटिंग के क्षेत्र में एक बड़ी छलांग है। विश्वस्तरीय सामग्रियों के साथ जापान की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को मिलाकर यह सिस्टम यूजर्स को समय की बचत करते हुए, बर्बादी में कमी लाते हुए और लंबा जीवन सुनिश्चित करते हुए फर्नीचर की सतह पर बिना प्रयास के शानदार फिनिशिंग लाने में सशक्त बनाता है।

इनफिनिटी कोटिंग की सबसे प्रमुख खूबियों में किसी भी सतह पर एक निर्बाध, सहज और आलीशान फिनिशिंग की क्षमता है। ये कोटिंग्स लकड़ी, धातु, एल्युमीनियम, शीशा, प्लास्टिक्स और एक्रिलिक पर की जा सकती है और इन्हें स्क्रैच, दाग, टूटफूट से बचाया जा सकता है। ये कोटिंग्स व्यापक रंगों और फिनिश में उपलब्ध है जिससे व्यक्ति अपनी पसंद की डिजाइन के मुताबिक इसे करा सकता है।

एक नई ब्रांड पहचान के साथ, वेलस्पन अपनी असीमित संभावनाओं की शक्ति का विस्तार कर रहा है

मुंबई। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती वैश्विक समूह कंपनियों में से एक, वेलस्पन ने आज अपनी नई ब्रांड पहचान का खुलासा किया। इस नई ब्रांड पहचान को व्हील्पस्पन की साहसिक विस्तार और विकास की हॉलमार्क कहानी को पहचानने और आगे बढ़ाने, उनके अगले रणनीतिक कदम के आधार पर उनके लिए अवसरों, मूल्य और अनुभव को समतल करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नए प्रतीक को 'द एक्सपोनेंट' कहा जाता है, जिसे आधुनिक ग्लिफ़ के अंत में एक उन्नत डिग्री के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो इतिहास और भविष्य दोनों का प्रतीक है। पिछले कुछ वर्षों में ब्रांड के पास एक व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो है, इसके महत्वपूर्ण जैविक और अकार्बनिक विकास के कारण इसे 'वेलस्पन वर्ल्ड' नाम मिला है।

ब्रांड के हाई प्रोफाइल सेट-अप के बारे में वेलस्पन समूह के अध्यक्ष श्री बी. गोयनका कहते हैं, "एक निरंतर विकसित हो रहे व्यवसाय में, वेलस्पन जानता है कि तेजी से बढ़ने के लिए, आपको एक इरादे से प्रेरित होना होगा। सच्चा विकास, फिर, क्रांतिकारी परिवर्तनकारी अवसरों से उभरता है जो लोगों को सशक्त बनाता है, विकासात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है और ग्रह को टिकाऊ बनाता है। यह न केवल कार्य को सटीक ढंग से निष्पादित करने से है, बल्कि पहल करने और आगे बढ़कर एक नया बदलाव लाने से भी है। हमने महसूस किया है कि हमारा ब्रांड सेट-अप इतना प्रामाणिक होना चाहिए कि हमारे लोगों, व्यवसाय और समुदाय पर एक शक्तिशाली प्रभाव डाल सके। अतीत में परिवर्तनकारी उपलब्धियों की वेलस्पन की साहसिक यात्रा में यह हमारा मुख्य आधार रहा है, और इसके असीमित अवसरों को अपनाने के लिए दृढ़ समर्पण है। इसी भावना से प्रेरित होकर, कंपनी भी नए बदलावों को पूरे दिल से अपना रही है और निडर होकर आगे बढ़ने और आने वाली चुनौतियों पर विजय पाने के लिए भी तैयार है।"

नए लोगो में एक डबल टिक चिन्ह भी शामिल है, जो कंपनी के "सही काम करने" और "सही काम कराने" के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह वेलस्पन की जबरदस्त वृद्धि, उत्कृष्टता की निरंतर खोज, उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयास, उन्नत प्रौद्योगिकी और प्रतिभा का लाभ उठाने का प्रतिनिधित्व करता है। यह लोगो वेलस्पन की ताकत का प्रतिनिधित्व करता है, जो लोगों, व्यवसायों के लिए सकारात्मक बदलाव को सशक्त बनाता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)